मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 7 अंक 137
शनिवार, 30 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

शीतकालीन सत्र के पांचवें दिन भी विपक्ष का हंगामा, दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। संसद के शीतकालीन सत्र में आज भी गतिरोध जारी रहा। दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामा के वजह से आज की कार्यवाही को स्थगित करनी पड़ी। इसका मतलब साफ है कि शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह में संसद के दोनों सदनों में कामकाज नहीं हो सका। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत 25 नवंबर को हुई थी और विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण पहले सप्ताह में कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज नहीं हो पाया। अब सोमवार 2 दिसंबर 2024 को सुबह 11 बजे से दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होगी। लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेने के एक दिन बाद शुक्रवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा सदन पहुंची और विपक्षी सदस्यों के साथ एकजुटता दिखाते हुए उनके साथ प्रदर्शन में शामिल हुईं। विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की बैठक शुक्रवार को एक बार के स्थगन के बाद पुनः शुरू होने के करीब 10 मिनट के अंदर दोपहर बारह बजकर 10 मिनट पर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर जैसे ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया, कांग्रेस और सपा के सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी

करने लगे। कांग्रेस सदस्य अदाणी समूह से जुड़े मामले को उठा रहे थे, वहीं सपा सांसद संभल हिंसा का मुद्दा उठाते देखे गए। हंगामे के बीच ही स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कुछ पूरक प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच शुक्रवार को कहा कि देश की जनता सांसदों एवं संसद के बारे में चिंतित है तथा वह चाहती है कि सदन की कार्यवाही चले। उन्होंने यह टिप्पणी प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सदस्यों से सदन की बैठक चलने देने की अपील करते हुए की। बिरला ने इस दौरान नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा, देश की जनता चाहती है कि सदन चले। कई माननीय विद्वानों ने लिखा है कि संसद चलनी चाहिए, चर्चा-संवाद होना चाहिए।

सहमति और असहमति हमारे लोकतंत्र की ताकत है। उनका कहना था, मैं आग्रह करता हूं कि जनता की भावनाओं और उनकी आशाओं एवं आकांक्षाओं के अनुसार, आप सदन चलाने में सहयोग करें। आज स्वास्थ्य एवं महिलाओं पर प्रश्नकाल में चर्चा हो रही है। प्रश्नकाल आपका समय है। अदाणी समूह के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों और दिल्ली में कानून व्यवस्था की स्थिति सहित विभिन्न मुद्दों पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग खारिज होने के बाद शुक्रवार को विपक्ष ने राज्यसभा में हंगामा किया, जिसके कारण उच्च सदन की कार्यवाही आरंभ होने के कुछ ही देर बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीम सिंह और जनता दल (यूनाईटेड) के संजय झा को जन्मदिन की बधाई दी गई। इसके बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए।

भाजपा सरकार में हरियाणा में कानून व्यवस्था का हुआ बंटाधारः भूपेंद्र सिंह हुड्डा

हरियाणा, 29 नवम्बर। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जब से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आई है तब से राज्य की कानून व्यवस्था का बंटाधार हो गया है।

हुड्डा ने कहा कि आज प्रदेश में कोई भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करता है जबकि प्रत्येक सरकार की पहली जिम्मेदारी अपनी नागरिकों को सुरक्षा देना होती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार अपनी जिम्मेदारी को निभाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने सोनीपत में पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में रोज 3-4 हत्याएं, 4-5 बलात्कार और दर्जनों चोरी, लूट, डकैती की वारदात होती हैं तथा अपराध व नशे में हरियाणा ने बड़े-बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है।

हुड्डा कई सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत करने सोनीपत पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा की नई सरकार की विफलताएं भी शुरूआत में ही उजागर हो गई हैं तथा नई सरकार भी भाजपा की पिछली सरकारों की तरह किसानों को ना खाद दे पाई और ना ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)।

मांगों को लेकर संविदा कर्मचारियों का प्रतिनिधिमंडल डिस्कॉम से मिला

वाराणसी। संविदा मजदूर संगठन के बैनरतले शुक्रवार को संविदा कर्मचारियों का एक प्रतिनिधिमंडल पूर्वांचल डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक शम्भू कुमार से मिला। इस दौरान सौंपे गए पत्र में निजीकरण सहित कई समस्याओं के निराकरण की मांग की गयी। साथ ही चेताया है मांगों पर ध्यान न देने की स्थिति में 3 दिसम्बर को उग्र आंदोलन किया जायेगा। कर्मचारियों का कहना है कि पूर्वांचल विद्युत निगम वाराणसी एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम आगरा के बिनिवेश और निजी कम्पनियों के साथ संयुक्त उद्यम बनाए जाने के परिणामस्वरूप निगमों में कार्यरत संविदा कर्मियों की रोजी पर

उत्पन्न खतरे को देखते हुए विद्युत संविदा मजदूर संगठन उप्र द्वारा संयुक्त उद्यम बनाए जाने की कारवाई को रोकने की जरुरत है। संगठन के पूर्वांचल अध्यक्ष इंद्रेश कुमार राय ने बताया कि संगठन द्वारा संविदा में कार्यरत श्रमिकों को न्यूनतम 22000 एवं लाइनमैन और कम्प्यूटर आपरेटर को 25000 वेतन दिए जाने और सेवा अवधि की उप्र 58 वर्ष किए जाने सहित सात लम्बित मांगों का जल्द निपटारा किए जाने की मांग की गई है। कर्मचारियों का कहना है कि हम लोगों को विभाग द्वारा कोई सुविधा नहीं दिया जा रहा है। हमारे साथियों का काम करते समय निधन हो जाता है। इसके अलावा मनमाने तरीके से कर्मचारियों का तबादला कर दिया जा रहा हैं। शासन द्वारा नियम का पालन नहीं किया जा रहा है और विद्युत मजदूर से मनमाने तरीके से काम लिया जा रहा है। संविदा कर्मचारियों से काम लिया जा रहा हैं लेकिन उनके सुविधाओं का ध्यान नहीं दिया जा रहा और बिना कारण कुछ कर्मचारियों को निकालकर नये लोगों की भर्ती कर लिया जा रहा हैं।

सीडब्ल्यूसी की बैठक में बोले खड़गे, हालिया विधानसभा चुनावों में धक्का लगा है, हमें कठोर निर्णय लेने होंगे

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। कांग्रेस कार्य समिति की शुक्रवार को बैठक हुई जिसमें महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में पार्टी के हालिया चुनाव प्रदर्शन पर चर्चा की गई। आगामी दिल्ली चुनाव और संसद सत्र के लिए रणनीतियां भी एजेंडे में थीं। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई बैठक में पूर्व प्रमुख राहुल गांधी, एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश शामिल थे। सीडब्ल्यूसी ने विभिन्न चुनाव परिणामों का विश्लेषण किया। पार्टी के गठबंधन को झारखंड में जीत तो मिली, लेकिन महाराष्ट्र और हरियाणा में

उन्हें हार का सामना करना पड़ा। सीडब्ल्यूसी की यह बैठक संभावित गठबंधनों सहित दिल्ली और बिहार में आगामी चुनावों की तैयारी पर भी फोकस थी। बैठक में खड़गे ने कहा कि हमें तुरंत चुनावी नतीजों से सबक लेते हुए संगठन के स्तर पर अपनी सभी कमजोरियों और खामियों को दुरुस्त करने की जरूरत है, ये नतीजे हमारे लिए संदेश हैं। उन्होंने कहा कि आपसी एकता की कमी और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी हमें काफी नुकसान पहुंचाती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जरूरी है कि हम सख्ती से अनुशासन का पालन करें और एकजुट रहें।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम पुराने ढर्रे पर चलते हुए हर समय सफलता नहीं पा सकते, हमें समय से निर्णय लेने होंगे और जवाबदेही तय करनी होगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ईवीएम ने चुनावी प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया है, महाराष्ट्र के परिणाम ऐसे हैं कि कोई भी अंकगणित इसे उचित ठहराने में असमर्थ है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हालिया विधानसभा चुनावों में हमें धक्का लगा है, इसीलिए हमें कठोर निर्णय लेने होंगे।

अनियंत्रित गाड़ी तालाब में पलटने से चार की मौत, तीन घायल

अरवल। बिहार में अरवल जिले के कलेर प्रखंड में कामता गांव से बारातियों को लेकर पटना जा रही एक गाड़ी के बृहस्पतिवार को अनियंत्रित होकर एक तालाब में पलटने से वाहन सवार चार लोगों की मौत हो गई जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी मोहम्मद अली साबरी ने बताया कि प्रसादी इंग्लिश मुहल्ला के पास एक वाहन तालाब में पलट गया जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित चार लोगों की मौत हो गई एवं तीन अन्य व्यक्ति घायल हो गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से शवों को तालाब से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। इस हादसे में जख्मी तीन अन्य घायलों का प्रारंभिक उपचार सदर अस्पताल किया गया है।

केंद्र सरकार से नहीं संभल रही दिल्ली की कानून व्यवस्था: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ कड़ी आलोचना की और उस पर दिल्ली को 'गैंगस्टरों' द्वारा शासन करने की अनुमति देने का आरोप लगाया। दिल्ली विधानसभा में आप विधायक और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, दिल्ली की कानून व्यवस्था बद से बदतर होती जा रही है, खासकर 2019 के बाद से जब अमित शाह गृह मंत्री बने। वह दिल्ली को संभाल नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हत्या की घटनाएं अक्सर हो रही हैं।

केजरीवाल ने कहा कि लोगों को रंगदारी के लिए फोन आ रहे हैं। खुलेआम गैंगवार और गोलीबारी हो रही है। जो हमने फिल्मों में देखा वो आज दिल्ली में हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में अपहरण हो रहे हैं। महिलाओं का अपहरण, बलात्कार और हत्या कर दी जाती है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने कहर बरपाया है। लॉरेंस बिश्नोई खुद साबरमती जेल में बंद हैं जो बीजेपी शासित राज्य गुजरात में स्थित है। उन्होंने सवाल किया कि वहां की जेल से वह दिल्ली में रंगदारी का रैकेट कैसे चला रहा है?

इससे पहले दिल्ली विधानसभा के पांच साल के कार्यकाल के अंतिम सत्र के पहले दिन शुक्रवार को बस मार्शलों को हटाने के मुद्दे पर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए।

संभल केस में सुप्रीम कोर्ट का निर्देश, निचली अदालत न ले कोई एक्शन, लिफाफे में सीलबंद रखा जाए सर्वे रिपोर्ट

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया कि जब तक संभल मस्जिद की शाही ईदगाह कमेटी हाईकोर्ट नहीं जाती, तब तक मामले को आगे न बढ़ाया जाए। सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि एडवोकेट कमिश्नर की सर्वे रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को अपने समक्ष लंबित रखा और मामले को 6 जनवरी, 2025 से शुरू होने वाले सप्ताह में सुनवाई के लिए पोस्ट किया। हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व विष्णु शंकर जैन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संभल में शांति और सद्भाव कायम रखा जाए. रउ ने एक आदेश पारित कर मस्जिद कमेटी को हाई कोर्ट जाने और ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि कमिश्नर को

अपनी रिपोर्ट सीलबंद कवर में दाखिल करने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि वह मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं कर रहा है। रउ ने उनसे (मस्जिद समिति से) आदेश को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती देने के लिए कहा है और इसे दायर किया गया है और इसे 3 कार्य दिवसों में HC के समक्ष सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर सीमित रोक है। इससे पहले संभल सांसद जिया उर रहमान बर्क ने कहा कि समाजवादी पार्टी मांग कर रही है कि जांच समिति में सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज को शामिल किया जाए। सपा नेता ने कहा कि हमने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि संभल की शाही जामा मस्जिद में सर्वे को लेकर जो मामला जिला अदालत में है, उसे रोका जाए और मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में की जाए। पूजा स्थल अधिनियम का सही उपयोग होना चाहिए। अब अजमेर दरगाह को लेकर भी याचिका दायर की गई है। ये सब कब रुकेगा?...कुछ चुनिंदा लोगों को माहौल बिगाड़ने का मौका क्यों दिया जा रहा है?आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्रशेखर आजाद ने कहा कि हमें सुप्रीम कोर्ट से बहुत उम्मीदें हैं। सुप्रीम कोर्ट ने लगातार उत्तर प्रदेश की बीजेपी सरकार के गलत कामों को रोकने का काम किया है। इस बार भी हमें विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट जो अत्याचार हो रहा है उसे रोकने में मदद करेगा। इसको लेकर संसद में एक संशोधन बिल आना चाहिए, 1991 के (पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम) के संबंध में एक संशोधन बिल आना चाहिए एवं पिछले बिल की कमियों को दूर किया जाये। केंद्रीय मंत्री जयंत सिंह चौधरी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को फैसला करना चाहिए। मुझे लगता है कि पूजा स्थल अधिनियम की अपनी पवित्रता है और अयोध्या फैसले और सुप्रीम कोर्ट ने भी कुछ रास्ते तय किए हैं।

"स्वच्छ जल से ही स्वस्थ जीवन"
सस्ते एवं उचित दर पर, आपकी सेवा में समर्पित, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें

पुर्णिमा सर्विसेस
COMPLETE SOLUTIONS OF WATER TREATMENT
ALL TYPES WATER PURIFIER SERVICE
Email - purnima.services@gmail.com
8655185584
Shop No. 7, Gr. Floor, Prerna Tower, Diva - Shil Road, Diva (E) - 400612

THE DOCTORS COACHING
अब आपके विकास नगर लखनऊ में
Your Gateway to Success in NEET & Foundation Exams!
Powered by- Modern Kids Education Pvt.Ltd. (Since 1999)
NEET (UG) & FOUNDATION
Director Dr. Abid Khan PhD (USA)
Physics Chemistry Biology
9th, 10th, 11th & 12th
Smart Classes
Fully Air- Conditioned Classes
The Doctors Coaching Your Gateway to success in NEET a foundation exams!
ADMISSION OPEN NOW!
www.thedoctorcoaching.com | edu@thedoctorcoaching.com
+91- 7080403322, +91- 8400043322
Near LHPS, Friends Colony, Sector- 7, Vikas Nagar, Lucknow- 226022

राहुल गांधी को राजनीति के कुछ सबक सीखने होंगे

-ललित गर्ग

कांग्रेस की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। महाराष्ट्र के नतीजे इसी बात को रेखांकित कर रहे हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस न तो भारतीय जनता पार्टी को टक्कर दे पा रही है और न ही देशहित के प्रभावी मुद्दे उठा पा रही है। देश में कॉर्पोरेट विरोधी जो एकसूत्री एजेंडा राहुल ने अपनाया है, या संविधान-रक्षा एवं धर्म-निरपेक्षता के नाम पर एक सम्प्रदाय-विशेष की जो राजनीति वह कर रहे हैं, उसके सकारात्मक परिणाम नहीं आ रहे हैं, उनके इन मुद्दों के पक्ष में वोट नहीं मिले हैं। निश्चित ही राष्ट्रीय राजनीति में अगर कोई एक चीज है, जो नहीं बदली है, तो वह है भाजपा को मात देने में कांग्रेस की अक्षमता। भाजपा से सीधी टक्कर में कांग्रेस की हार का औसत प्रतिशत बढ़ता ही जा रहे हैं। अब तो कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोग दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। कांग्रेस के लिये जटिल से जटिलतर होते हालातों में केरल के वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा की 4.1 लाख से अधिक वोटों के अंतर से हुई भारी जीत कांग्रेस पार्टी के लिये एक उत्साहजनक संदेश हो सकता है। निश्चित रूप से प्रियंका के राजनीतिक जीवन और कांग्रेस पार्टी के लिये यह एक महत्वपूर्ण क्षण है, लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व पर लगा अक्षमता एवं अपरिपक्व राजनीति का दाग इससे कैसे कम हो सकता है?

राहुल गांधी संसद के बाहर और भीतर दोनों जगह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर पूरी तरह हमलावर रहते हैं, वे गैर-जरूरी मुद्दों को लेकर अक्सर संसद की कार्रवाई को बाधित करते हैं। अडाणी एवं कॉर्पोरेट विरोधी उनका एजेंडा देश की अर्थ-व्यवस्था के लिये कितना नुकसानदायी

साबित होता रहा है, देश की जनता ने इसे महसूस किया है। राहुल दस साल से यह गलती कर रहे हैं और उनकी पार्टी इसकी कीमत चुका रही है। कांग्रेस और विशेष रूप से उसके नेता राहुल गांधी न जाने कब से अदाणी समूह को कोस रहे हैं। एक अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद वह हाथ धोकर इस समूह के पीछे पड़ गए हैं, लेकिन शायद वह यह देखने से इन्कार कर रहे हैं कि इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल कांग्रेस के इस रवैये से सहमत नहीं है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे ऐसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं।

ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं? यदि राहुल गांधी को यह लगता है कि अदाणी समूह दागदार है तो वह अपनी सरकारों को उससे कोई नाता न रखने के लिए क्यों नहीं कह पा रहे हैं? यह समझना भी कठिन है कि कांग्रेस अमेरिकी अदालत के आकलन को अंतिम सत्य की तरह क्यों ले रही है और वह भी तब, जब उसने रिश्वत के कथित लेन-देन के कोई प्रमाण नहीं पेश किए हैं?

नेशनल हेराल्ड मामले में जमानत पर चल रहे राहुल गांधी अपनी इस आक्रामकता से हासिल क्या करना चाहते हैं। विडम्बना देखिये कि संयुक्त अरब अमीरात, तंजानिया और श्रीलंका जैसे देश अदाणी समूह पर अमेरिकी अदालत की टिप्पणी को महत्व नहीं दे रहे हैं, लेकिन भारत में कांग्रेस के नेता और कुछ अन्य लोग उसे बिनी किसी जांच-पड़ताल दंडित करने को उतावले हैं। यह उतावलापन इसलिए भी ठीक नहीं, क्योंकि निवेशक अदाणी समूह पर भरोसा जता रहे हैं और इसी कारण उसके शेयरों में तथाकथित अमेरीकी कार्रवाई से भारी गिरावट के बाद पुनः तेजी देखने को मिल रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में राहुल गांधी जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। प्रश्न है कि कब राहुल गांधी इस महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए उसके साथ न्याय करेंगे? वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है।

हर जगह कांग्रेस अपने मजबूत सहयोगियों के बूते सीटें जीतने में कामयाब रही है। ओडिशा में कांग्रेस का वजूद खत्म हो चुका है। एक वक्त में पूर्वोत्तर के राज्यों में कांग्रेस का दबदबा था, लेकिन अब वहां भाजपा छाई हुई है। जबकि इन राज्यों की डेमोग्राफी कांग्रेस के पक्ष में हैं, लेकिन सरकारें भाजपा की है। कांग्रेस मुद्दे नहीं तय कर पा रही है। बीजेपी हर राज्य के हिसाब से मुद्दे तय करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर सीट के हिसाब के मुद्दों के हिसाब से बोलते हैं। वहां के इतिहास, भूगोल, राजनीतिक परिस्थितियां सबको ध्यान में रख कर बोलते हैं। लेकिन कांग्रेस इसके हिसाब से मुद्दे और रणनीति तय नहीं कर पाती। बड़ा सवाल ये है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित दिख रही कांग्रेस इसके बाद एक भी राज्य का चुनाव क्यों नहीं जीत पाई। आखिर उसकी रणनीति में कहां खामी है और वो बार-बार कहां चूक रही है?

लगभग जीत के मुहाने पर खड़ी कांग्रेस को हरियाणा में हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के साथ यही किस्सा अब राजनीतिक तौर पर देश के दूसरे बड़े अहम राज्य महाराष्ट्र में भी दोहराया गया। झारखंड में पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुआई वाले गठबंधन में शामिल थी और वो 2019 में जीती 16 सीटों में एक भी सीट का इजाफा नहीं कर पाई। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस बुरी तरह नाकाम रही। कांग्रेस 90 में से छह सीटें ही जीत पाईं और नेशनल कॉन्फ्रेंस की जूनियर पार्टनर बन कर किसी तरह अपनी नाक बचा पाई। भाजपा ने महाराष्ट्र में हिंदू मतदाताओं के रुझान का ख्याल रखा। इसी के हिसाब से नारे गढ़े। लाडकी बहिन जैसी लाभार्थी योजना, आरक्षण के सवालों और महाराष्ट्र के किसानों के मुद्दों के इर्द-गिर्द अपनी रणनीति बनाई। लेकिन राहुल गांधी ऐसे चुनावी मुद्दों को गढ़ने में क्यों असफल रहे? आखिर कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल गांधी इन स्थितियों पर गंभीर मंथन क्यों नहीं करते? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुस्लिम तुष्टीकरण का राग अलापते हुए देश में मुस्लिमों का तो पक्ष लेते हैं लेकिन बांग्लादेश एवं पाकिस्तान में हिन्दुओं पर हो अत्याचारों पर मौन साध लेते हैं। उससे यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वह समाज को बांटने वाली विभाजनकारी राजनीति पर अड़े हैं। राहुल गांधी बेतुकी आक्रामकता से उपरत क्यों नहीं हो रहे हैं? वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। आखिर वह जो कुछ मोदी सरकार से चाह रहे हैं, उसे कांग्रेस संगठन और साथ ही अपने दल द्वारा शासित राज्य सरकारों में क्यों लागू नहीं कर रहे हैं? क्या मोदी सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक रखा है? लोकसभा की कार्रवाई कांग्रेसी एवं विपक्षी सांसदों के वाक आउट, हंगामे, अनर्गल बहस की भेंट चढ़ रही है। विपक्षी दल अपनी सार्थक भूमिका का निवर्हन करने की बजाय लगातार सत्तापक्ष को घेरने एवं आरोप-प्रत्यारोप की घटिया राजनीति में लगा है। देश भी इन त्रासद घटनाओं से कुछ हासिल नहीं कर पा रहा है।

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल क्यों टाला गया, अब बिल कब आएगा संसद में?

अशोक भाटिया

वक्फ संशोधन बिल को अब कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया है। बताया जाता है कि वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर भाजपा को सहयोगियों का साथ नहीं मिलता दिख रहा है। यही वजह है कि भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे ने खुद इस मामले को अभी शांत रखने का प्रस्ताव दिया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने संसद में संयुक्त संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। पहले सरकार इस बिल को मौजूदा शीतकालीन सत्र में लाने की तैयारी थी। जे सी पी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल इस प्रस्ताव को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पास भेजेंगे निशिकांत दुबे ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि समिति को और वक्त मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि समिति को अपनी रिपोर्ट संसद के बजट सत्र के पहले सप्ताह में सौंपनी चाहिए। बता दें कि वक्फ बिल की समीक्षा के लिए गठित जेसीपी का कामकाज शुरू से ही सुचारू नहीं रहा। हर बैठक में दोनों पक्षों के बीच काफी हंगामा और तीखी बहस होती रही है। मोदी सरकार का दावा है कि इस बिल के पास हो जाने के बाद वक्फ बोर्ड की शक्तियां पहले के तुलना में और पारदर्शी हो जाएंगी। हालांकि, इसके बाद भी भाजपा को अपने सहयोगियों का भी समर्थन नहीं मिल रहा है।

इसी कारण शायद वक्फ संशोधन बिल को अब कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया है। इसे अब अगले साल (2025) बजट सेशन में पेश किया जा सकता है। पहले इस बिल को मौजूदा सत्र में ही लाने की तैयारी थी, लेकिन जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की बैठकों में लगातार बढ़ते विवादों के चलते इसे टालना पड़ा। कांग्रेस के अनुसार तो ये फैसला विपक्ष की ओर से बढ़ते विरोध के चलते लिया गया। कांग्रेस ने इसे सरकार का एक और यू टर्न बताया है। पर वक्फ बोर्ड बिल को लेकर जिस तरह का माहौल बन रहा है उससे लगता है कि सरकार कुछ और सोच रही है। जिस तरह पिछले दिनों भाजपा के मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि बाबा साहब अंबेडकर द्वारा हमें दिए गए संविधान में वक्फ कानून के लिए कोई जगह नहीं है, लेकिन कांग्रेस ने अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए इसका समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 में कांग्रेस का शासन खत्म होने से पहले पार्टी ने दिल्ली के पास की कई संपत्तियां वक्फ बोर्ड को सौंप दी थीं। जिस तरह मोदी ने स्पेशली दिल्ली का नाम लिया उससे लगता है कि सरकार इसे अगले विधानसभा चुनावों में बड़ा मुद्दा बनाने वाली है। इसके साथ ही जिस तरह भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हजारों लोग अचानक इस बिल को लेकर सक्रिय हुए हैं वो कुछ और इशारा करता है। बहुत बड़ी संख्या में अचानक लोग यह कहने लगे हैं कि वक्फ बोर्ड बिल में संशोधन नहीं वक्फ बोर्ड को ही खत्म कर दिया जाना चाहिए। यह सब देखकर यही नहीं लगता है कि वक्फ बोर्ड संशोधन का दायरा और बड़ा किया जा सकता है? क्या वक्फ बोर्ड को मृत्युप्राय करने की तैयारी है?

इधर आज खबर आई कि सरकार ने वक्फ बोर्ड बिल पर यू टर्न ले लिया है। और आज ही सुबह प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस से खबर आई कि एक 115 साल पुराने 500 एकड़ पर निर्मित अति प्रतिष्ठित उत्तरप्रदेश कॉलेज को वक्फ बोर्ड ने अपनी जमीन घोषित कर दिया है। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक प्रसिद्ध मंदिर को भी इसी महीने वक्फ बोर्ड ने अपनी जमीन घोषित करके वहां बाउंड्री वॉल से घेरने का काम शुरू किया है। इन दोनों मुद्दों ने सोशल मीडिया पर आग लगा रखी है। पूर्व राज्यसभा सदस्य हरनाथ सिंह यादव ने एक्स पर लिखा कि अब तो हद हो गई, 115 साल पुराने उत्तर प्रदेश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित, वाराणसी के उदयप्रताप कॉलेज पर वक्फ बोर्ड का दावा। 500 एकड़ में फैले उत्तरप्रदेश कॉलेज में 20 हजार छात्र पढ़ते हैं। वक्फ बोर्ड और विस्फोटक जनसंख्या वृद्धि इस्लामीकरण स्थापित करने का सबसे बड़ा साधन बन गया है। त्वरित शल्य क्रिया अपरिहार्य है।

इसी तरह हिंदू हितों की बात करने वाली एक और नेता साध्वी प्राची ने वक्फ बोर्ड को ही तुरंत प्रभाव से खत्म करने की बात की है। एक्स पर कुछ लोग प्रश्नोत्तरी भी चला रहे हैं कि वक्फ बोर्ड बिल संशोधित होना चाहिए या वक्फ बोर्ड को ही खत्म कर देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कह ही चुके हैं कि संविधान में वक्फ की कोई जगह नहीं है। जाहिर है कि जिसे कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी सरकार का यू टर्न समझ रही है वो सरकार का मेगा प्लान है। भाजपा की इस गुगली को कांग्रेस समझ नहीं पा रही है या जानबूझकर खुश होने का नाटक कर रही है। पर मामला इतना आसान दिखता नहीं है। भारतीय जनता पार्टी अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कराकर समझ चुकी है कि किसी भी समस्या के समाधान हो जाने के बाद वह मुद्दा खत्म हो जाता है। अगर राम मंदिर बनने में कोई समस्या रह गई होती तो हो सकता था कि लोकसभा चुनावों में कम से कम उत्तर प्रदेश में तो भाजपा की दुर्गति नहीं हुई होती। भाजपा यह जानती है कि वक्फ बोर्ड का मुद्दा अभी तो आम लोगों तक पहुंचा नहीं है। अभी केवल मीडिया और सोशल मीडिया पर ही हाइप है। जैसे जैसे मंदिर, स्कूल, कॉलेज और कॉलोनियों पर वक्फ बोर्ड का दावा बढ़ता जा रहा है वैसे वैसे वक्फ बोर्ड को लेकर लोगों के बीच में जागरूकता बढ़ती जा रही है।

बिना जनता के जागरूक हुए कानून बन गया तो भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे का राजनीतिक फायदा नहीं उठा पाएगी। कभी यही काम कांग्रेस किया करती थी मुद्दे को जीवित रखना है और कभी समाधान नहीं करना है। दिल्ली और बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव है। तब तक वक्फ बोर्ड को लेकर बहुत सी बहसें होंगी, वक्फ बोर्ड बहुत सी जमीनों पर कब्जे की कोशिश करेगा। गंगा और यमुना में वक्फ बोर्ड को लेकर जितना पानी बहेगा इन राज्यों में भाजपा के लिए उतना ही खाद पानी तैयार होगा।

भोजूबीर तहसील सदर के रहने वाले वसीम अहमद खान ने रजिस्ट्री पत्र भेजकर ये बताया कि उत्तरप्रदेश कॉलेज छोटी मस्जिद नवाब टोंक की संपत्ति है जिसे नवाब साहब ने छोटी मस्जिद को वक्फ कर दिया था। लिहाजा ये वक्फ की संपत्ति है और इसे नियंत्रण में लिया जाना चाहिए। अगर 15 दिन के अंदर कॉलेज प्रबंधन की तरफ से अगर कोई जवाब नहीं दिया गया तो आपकी आपत्ति फिर नहीं सुनी जाएगी। इस पर जवाब देते हुए उत्तरप्रदेश कॉलेज शिक्षा समिति के तत्कालीन सचिव यून सिन्हा ने 21 दिसंबर को कहा था कि उदय प्रताप कॉलेज की स्थापना 1909 में चैरिटेबल एंडाउमेंट एक्ट के तहत हुआ था। इस पूरे मामले पर उदय प्रताप कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. डीके सिंह ने बताया कि उत्तरप्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की तरफ से उत्तरप्रदेश कॉलेज में मौजूद एक मजार की तरफ से एक नोटिस भिजवाई गई थी कि उत्तरप्रदेश कॉलेज की जमीन उत्तरप्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की है, जिसपर तत्कालीन सचिव ने जवाब भी भेज दिया था कि यह जमीन एंडाउमेंट ट्रस्ट की है। न तो जमीन खरीदी जा सकती है और न ही बेची जा सकती है और किसी भी प्रकार का मालिकाना हक भी है तो समाप्त हो जाता है। यह किसी अवांछनीय तत्व की हरकत है जो इस जमीन को उत्तरप्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की जमीन बता रहा है।

उन्होंने बताया कि जवाब दे देने के बाद से ही बोर्ड की तरफ से किसी भी तरह का आगे पत्र व्यवहार नहीं किया गया था। लेकिन इधर बीच व कुछ निर्माण कार्य मस्जिद में कराना चाहते थे, जिसपर हमने एक्शन लिया और निर्माण सामग्री भी पुलिस के सहयोग से हटवा दी था। उन्होंने बताया कि 2022 में पुलिस को भी सूचित कर दिया था कि कोई भी निर्माण कार्य नहीं हो सकता है। प्रिंसिपल प्रो। डीके सिंह ने बताया कि मजार की बिजली भी कटवा दी क्योंकि मजार पर बिजली कॉलेज से ही अवैध रूप से चोरी कर-के जलाई जाती थी। उन्होंने बताया कि बोर्ड ने उस वक्त नोटिस भेजकर प्रचार किया था, लेकिन तत्कालीन प्राचार्य और सचिव ने सक्रियता से इसका जवाब दिया था।

दावा करने वाले वाराणसी के भोजूबीर के रहने वाले वसीम अहमद खान का पिछले साल 75 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया था। 2022 में वसीम अहमद ने वक्फ बोर्ड को ये भी बता दिया था कि उनकी तबियत ठीक नहीं रहती। लिहाजा वो इस मामले की पैरवी नहीं कर सकते। बताया जाता है कि 1857 के गदर में टोंक के नवाब को अंग्रेजों ने यहां नजरबंद किया था। उनके लोग उनकी वजह से यहां बस गए थे और नवाब साहब ने अपने लोगों के लिए बड़ी मस्जिद और छोटी मस्जिद बनवाई थी। उत्तरप्रदेश कॉलेज के परिसर में छोटी मस्जिद है। मुस्लिम समुदाय से जुड़े लोग खुद सवाल कर रहे हैं कि सरकार वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन क्यों नहीं कर रही है? बोर्ड में सिर्फ शक्तिशाली लोग ही शामिल हैं। भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए, उन्होंने कहा कि पारदर्शिता के लिए व्यवस्था किए जाने की मांग की जा रही है। उत्तरप्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता मोहसिन रजा कहते हैं कि पूरे देश और समाज की मांग थी कि ऐसा कानून आना चाहिए। वक्फ बोर्ड ने 1995 के कानून का बहुत दुरुपयोग किया है। वक्फ बोर्डों ने निरंकुश होकर अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया है। अगर कोई संपत्ति गलत ढंग से वक्फ संपत्ति में दर्ज हो गई तो उसको कैसे निकाला जाएगा। वक्त बोर्ड कोई अदालत नहीं है जो फैसला करे कि वक्फ की संपत्ति कौन सी है और कौन सी नहीं है। निर्णय लेने का अधिकार हमारे अधिकारियों को है। यह संशोधन इसीलिए लाया जा रहा है कि अगर कोई शिकायत है तो उसकी सुनवाई हमारे अधिकारी करेंगे और अधिकारी बताएंगे कि वक्फ बोर्ड क्या कार्रवाई करे। अमूमन लोग अपनी शिकायत लेकर वक्फ बोर्ड जाते हैं तो उनको न्याय नहीं मिल पाता है। वक्फ बोर्ड अपनी निरंकुश शक्तियों से ऊपर उठकर काम कर रहे हैं। मोदी सरकार का यह फैसला स्वागत योग्य है, इससे तमाम लोगों को बहुत फायदा मिलेगा।

मोहसिन रजा कहते हैं कि वक्फ गरीब दबे कुचले मुसलमानों के लिए चैरिटी है लेकिन वक्फ बोर्ड कहता है कि हमारे पास कोई पैसा नहीं है। हमारी कोई आमदनी नहीं है। इनके पास करोड़ों की संपत्तियां हैं तो फिर वो संपत्तियां कहां हैं। इसी को लेकर यह संशोधन एक्ट लाया जा रहा है। कई बार कोई भी संपत्ति को सर्वे के आधार पर ही वक्फ में दर्ज हो जाती है, जब उसके वंशज अपने पूर्वजों की संपत्ति को लेने के लिए दौड़ते हैं लेकिन वक्फ कहता है कि हमने सर्वे रिपोर्ट पर वक्फ प्रॉपर्टी में दर्ज किया है, लेकिन उनके पास कोई दस्तावेज नहीं है। ना उनके पास वक्फनामा होता है। ना ही वसीयतनामा। यह लोग अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर ऐसे तमाम संपत्तियों पर लोगों को परेशान करते हैं जिसको लेकर यह जनता के हित में संशोधन लाया जा रहा है।

नित्य संवाद से प्रकृति चिरयौवना और मनुष्य होता है अवचेतन

-आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार

अपने जन्म के बाद आज तक इस भूमण्डल पर चींटी से लेकर चींटा तक, मक्खी से लेकर मच्छर तक, सपोले से लेकर साँप तक, मछली से लेकर मगरमच्छ तक, कछुए से लेकर खरगोश तक और खरगोश से लेकर जंगल के राजा गब्बरशेर तक एवं सभी प्रकार के पेड़-पौधें, वानस्पति जो सभी जड़-चेतन है किन्तु प्रकृति से सीधे संपर्क में रहकर एक दूसरे की बोली-भाषा सुख-दुख, जन्म-मरण को समझते है। ये सभी अपने-अपने अंतस की गहराईयों में एक दूसरे की प्राणवायु से जुड़े रहकर स्पर्श, वायु, स्पन्दन आदि घ्राणेन्द्रियों से सजग रहकर प्रकृति को विनाश से बचाने हेतु भावनात्मक क्रियात्मकता संवाद अर्थात मीटिंगों द्वारा अपनी रसेन्द्रियों से अपने सुख-दुख, आदि की अभिव्यक्ति से प्रकृति को लेशमात्र भी क्षति नहीं पहुँचाकर एक वृहद परिवार की तरह जीते आ रहे है ओर इस हरपल के प्राकृतिक संवाद से जुडे होने के कारण प्रकृति सदियों से आज भी चिरयौवना बनी है, जिसे देख अनेक मनुष्यों की चेतना जाग जाती है और वे प्रकृति के प्रेम में पगे गीत-कविताए गाने को विवश हो उठते है,किन्तु इस अन्तरिक्ष मे सृष्टि के अविराम किलोल करते झींगुरों सी शब्दगुंजन ध्वनि सा संवाद मनुष्य को करना पड़ जाये तो वह सदा के लिए अवचेतन की गोद में विश्राम करने को विवश हो जाए या चेतनाशून्य हो अपना सर्वस्य गंवा बैठे।

दूसरी ओर हमारी अर्थात हम मानवों की दुनिया है जो प्रकृति के इन सारे संसाधनों को अपनी बपौती समझने है, यदि धरा पर रहनेवाली जाति में धर्म-संस्कृति और विकासोन्मुख अग्रणी समझने वाले मनुष्य की बात की जाये या वे लोग जो धरा के अज्ञात-अभेद स्थानों पर दुनियावालों से कटे आदिम सभ्यता को जी रहे है तो इन दोनों के बीच पायेंगे कि इस संसार की सभ्य-सुशिक्षित मनुष्य जाति प्रकृति के विनाश के साथ पर्यावरण को नष्ट करने में अग्रणी है, जब आदिम सभ्यता के मनुष्य प्रकृति के मित्र-परिवार के रहकर उसे संजोने-संवारने में लगे है। चिर यौवना प्रकृति प्रत्येक मौसम में एक नये रूप में, नए श्रृंगार में अपने को सजाए अपनी संवाद की आल्हादित कर देने वाली स्थिति से नूतन प्रकृति के अवयवों को जन्म देकर जीवन देती है पर मजे की बात कहे या आपसी सामंजस्यता बनाने की, प्रकृति और मनुष्य दोनों कहीं न कहीं अपने स्तर पर अपने अस्तित्व को बनाए रखने हेतु अपने भावों-संवेदनाओं, भाषाओं-बोलियों और संकेतों सम्पर्क जोड़ आपस में बातें करते है, संवाद जारी रखते है जिसे सामान्य बोलचाल में कहा जाए तो सभी मीटिंग्स करते है और अपने लाभ-हानि और जीवन मरण को लेकर सक्रिय रहते है।

सबसे ज्यादा बौद्धिक ज्ञानी मनुष्य जाति अपने निजी सुख के लिए भौतिक संसाधनों के उपयोग-उपभोग में बाजी मार चुकी है। परमात्मा ने इस सृष्टि की रचना के बाद पूरी पृथ्वी मनुष्य को उपयोग और उपभोग के लिए निशुल्क सौंपकर अनमोल खजाने के रूप में जंगल-पहाड़, सौन्दर्यमयी प्रकृति से सम्पन्न जल एवं वायु की धरोहर छोड रखी है किन्तु इस मनुष्य ने अपने झूठे अहंकार के वशीभूत होकर उसने परमात्मा के द्वारा सभी के उपभोग-उपयोग में दिए संसाधनों पर कब्जा कर जल, जमीन, आकाश एवं वायु को बेचने का कारोबार चला रखा है और सुबह से लेकर शाम तक प्रकृति के विनाश में लगा पर्यावरण को नष्ट कर जल-वायु को दूषित करने में लगा है। एक और सारी सृष्टि, सारी प्रकृति और सारे जीवजन्तु की अपनी बोली-भाषा,भाव-भंगिमाए और संवेदनाए होती है जिसे सिर्फ वे समझते है। आवश्यक नहीं कि वे किसी बोली में, किसी भाषा में अपनी बात करते हो, वे सभी एक दूसरे के स्पर्श से भी अपनी भावनाओं को व्यक्त कर अपनी बात पूरी कर अपना पक्ष रख देते है। वे समय चक्र से परे होते है उन्हें भविष्य दिखाई हीं नहीं देता बल्कि वे सभी एक अच्छे कुशल भविष्यद्दष्टा भी होते है, इसलिये धरती के किसी कोने में उठने वाला भूचाल, बबाल, प्रलय, महातूफान आदि अपने केन्द्र से पैदा होने के साथ ही पेड़-पौधों, वायु-आकाश की सूक्ष्मतम तंत्रिकाओं के द्वारा दुनिया के हर कोने की प्रकृति-सृष्टि को सूचना दे देते है जिसे वे समझ लेते है किन्तु मनुष्य नहीं समझते, अलबत्ता मनुष्य निर्मित मौसम विज्ञान केन्द्र के यंत्र हर देश की सरकारों के द्वारा अंतरिक्ष में छोड़े है जो इन्हें पढ़ने का काम करते है जो इन उपद्रवों के किस दिशा में, किस गति से बढ़ रहे है का पता तो लगा लेते है किन्तु उनकें स्वभाव और घातक परिणामों का पता उनके गुजरने वाले रास्तों से देखकर ज्ञात कर पाते है और उसी अनुमान से सतर्कता की बात करते है।

प्रकृति में नदियॉ, ताल-तलैया, वनादि क्षेत्र, पर्वत-पहाड़ व जीव-जन्तु और प्राणी सहित नवगृह सतत 24 घन्टों हर पल एक दूसरे से सतत सम्पर्क रख परिणामों को स्वीकारने को विवश होते है। किसी भी देश का कोई भी बोली-भाषा का व्यक्ति हो वह प्रकृति की तर्ज पर अपनी मीटिंग्स करने में लगे है। अंतर इतना है कि प्रकृति भावनात्मक सम्पर्क से मीटिंग कर सार्थक निर्णय ले स्वयं की कठोर सुरक्षात्मक सुरक्षा-व्यवस्था करती है, वहीं मानवों के द्वारा किये जाने वाले अणु-परमाणु बमों के परीक्षण अथवा युद्ध में प्रयोग रासायनिक बमों-मिसाईलों के द्वारा प्रयोगवाले क्षेत्र की प्रकृति नष्ट होकर देर-सबेर खुदा को खड़ा कर लेती है, किन्तु इस महाविनाश का शिकार हुआ मनुष्य सदियों तक इसके परिणामों को भुगतता अपनी अनेक पीढ़ियों का जीवन अपंगता, महामारी दे जाता है। प्रकृति के लिए फिजूल की बकवास को कोई स्थान नहीं और न ही उनकी दुनिया में मोलभाव के लिए मुद्रा-धन दौलत ही मायने रखता है, वह मोल भाव की वस्तु आदि सब प्रकृति का ही अंश है, इसलिए प्रकृति कभी भी अपने अंश से लेनदेन-सौदेबाजी करें यह संभव नहीं है। कारण प्रकृति पंचतत्व से पंचतत्व ही लेती है और यह पंचतत्व को जितना लिया है उसका कई गुणा नित-प्रतिदिन लौटा देती है। प्रकृति महादानी की तरह जीव-जंतुओं और मनुष्य को अपना सर्वस्व लुटा कर मालामाल कर देती है और जिसे कोई ग्रहण नहीं करता उस प्राणी-जीव जंतु और मनुष्य का त्यागा मल को भोज्य के रूप में स्वीकार कर परब्रह्म अन्न-फलादि के रूप में मनुष्य को जीवन उपहार देती है। जिससे जीवन मिलता है, उसी प्रकृति को बेचकर सम्पन्नता की दौड़ में मनुष्य अग्रणी हो गया है। वह एक कुशल व्यापारी के रूप में प्रकृति के अति नजदीक है किन्तु प्रकृति के विनाश का कारण बनने के बाद वह प्रकृति से कोसों दूर होता है। प्रकृति की उदारता से इस दुनिया के लोगों को बिना मूल्य प्राप्त जल,अग्नि,आकाश, भूमि और वायु की अनुठी अमूल्य देयताओं का सम्मान करने की बात की जाए तो प्रकृति निस्वार्थ जगत के कल्याणार्थ समर्पित रहकर सभी की प्राणाधार है।

दिशाहीन होता वैश्विक धार्मिक अतिवाद और आतंकवाद

संजीव ठाकुर

वर्तमान परिदृश्य में वैश्विक स्तर पर धार्मिक अतिवाद औपनिवेशिक विस्तारवाद के कारण कई देशों के मध्य युद्ध तथा हिंसा का तांडव मचा हुआ है जो वैश्विक शांति, मानवता, सौहार्द के लिए सर्वथा बहुत ज्यादा घातक एवं भविष्य में अप्रिय परिणाम देने वाले हैं। धर्म की अवधारणा परोपकार, जनकल्याण, अहिंसा तथा मानवता को निरंतर आगे बढ़ाना है। जबकि अतिवाद किसी मान्यता विचार व अवधारणा को जबरन लागू करने की प्रक्रियागत सोच है। अतिवाद ही किसी भी विचारधारा या किसी पंथ को अति होने तक ले जाना है। अतिवाद किसी भी धार्मिक और राजनीतिक विषय में ऐसी विचारधारा के लिए प्रयुक्त होता है जो समाज की मुख्यधारा के नजरिए को स्वीकार नहीं करती है। यह एक ऐसा राजनीतिक अथवा धार्मिक सिद्धांत है जो अमर्यादित नीति का पक्षधर है तथा इसमें मध्यस्थता की कोई गुंजाइश भी नही होतीहै। यह धर्म की ओर एवं कठोर मान्यताओं को लोगों पर जबरदस्ती थोपने का कार्य करता है, तथा हिंसा ,हत्या बलात्कार आदि को सर्व मान्य रूप से सही ठहराता है। भारत में धार्मिक विवाद का असर युवाओं पर सबसे ज्यादा पड़ता है क्योंकि युवा मन अपरिपक्व तथा किसी विचारधारा में ढला हुआ नहीं रहता और भारत में 65% 35 साल से कम उम्र के युवा निवासरत हैं। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है' स्वतंत्रता के बाद से भारत के संविधान में लोकतंत्र को सर्वोपरि स्थान दिया गया है' देश की भौगोलिक तथा जनसंख्यात्मक विशालता में कुछ तत्व सांप्रदायिक हिंसा एवं अराजकता के परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हो सकतें हैं, पर भारतीय लोकतंत्र की महानता एवं विशालता है कि इससे संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, पर यह तय है कि सांप्रदायिक हिंसा एवं धार्मिक कट्टरता से लोकतंत्र की अवधारणा थोड़ी दिग्भ्रमित जरूर होती है पर इसकी मजबूती ना तो पहले कम हुई है और ना ही भविष्य में होने की कोई गुंजाइश ही है। हिंसा ,विवाद किसी भी बात का कोई हल नहीं। यह लोकतंत्र के लिए एक धब्बे के समान है। किसी भी देश में लोकतंत्र की आम धारणा आपसी सद्भाव और समभाव को लेकर आधारभूत रचनात्मक रूप से की गई है। विश्व के शांति प्रस्तावक भारत देश में हिंसा और हिंसक आंदोलन की कोई जगह नहीं एवं यह किसी धार्मिक, सामाजिक अथवा आर्थिक असहमति का परिणाम तो कतई नहीं हो सकती है।भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक, प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है। वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया, प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बबार्दी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं' देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू ,मुस्लिम,सिक्ख,इसाई जातीय संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी, बेरोजगारी, नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। किसी बात का विरोध हिंसा के बिगड़े स्वरूप की तरफ शासकीय संपत्ति को नष्ट करना देश हित में नहीं।

दिल्ली से लिए जा रहे महाराष्ट्र के फैसले, संजय राउत का एनडीए पर वार, बीजेपी ने किया पलटवार

मुंबई। राउत ने कहा कि उन्हें पीएम और अमित शाह की बात माननी होगी। वह (अजित पवार) हमेशा डिप्टी सीएम थे और वह डिप्टी सीएम ही बनेंगे। लोकसभा चुनाव के बाद उनके चेहरे की जो चमक गायब हो गई थी, वह अब लौट आई है, यह ईवीएम का कमाल है। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि '3 मूर्ति' मंदिर बनना चाहिए, बीच में ईवीएम, एक तरफ पीएम और दूसरी तरफ अमित शाह। अब इसको लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है।

बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि संजय राउत को अपनी शिवसेना (यूबीटी) की ज्यादा चिंता होनी चाहिए। खुद कांग्रेस के लोग कह रहे हैं कि संजय राउत ही हैं जिन्होंने कांग्रेस और शिवसेना दोनों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है। उनके बयानों को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। महायुति एकजुट है, हमने एक साथ चुनाव लड़ा और अगले 5 वर्षों तक एकजुट होकर महाराष्ट्र पर शासन करेंगे।

संयोग से, इस बात पर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है कि क्या भाजपा मुख्य रूप से जातिगत कारणों से देवेन्द्र फड़णवीस को मुख्यमंत्री बनाने का इरादा रखती है। सूत्रों के मुताबिक, फड़णवीस मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा की पसंद हैं और उनके 2 दिसंबर को शपथ लेने की उम्मीद है।

आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को रोकने के लिए नसबंदी केंद्र का उद्घाटन

भिवंडी। भिवंडी शहर निजामपुर महानगरपालिका ने आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर प्रतिबंध लगाने के लिये महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शहर में भटकते और घायल कुत्तों को रेबीज रोधी वैक्सीन देने के साथ-साथ आवारा कुत्तों के नसबंदीकरण करने और इलाज की सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से एक नसबंदी केंद्र का उदघाटन किया गया।

जिसका उदघाटन मनपा प्रशासक आयुक्त अजय वैद्य के हाथों संपन्न हुआ। आवारा कुत्तों के नसबंदी करने हेतु हैदराबाद की मे. वेट्स सोसायटी फॉर एनिमल वेलफेयर एंड रूरल डेवलपमेंट के पांच वर्षों के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवधि के दौरान लगभग १३,६३१ कुत्तों को रेबीज रोधी टीके देकर नसबंदी की जाएगी। प्रति कुत्ता लगभग १,६९० रुपए खर्च का अनुमान है। यह कार्य महानगरपालिका के इदगाह स्लॉटर हाउस के पास स्थित एसटीपी प्लांट के पीछे शुरू किये गये नए नसबंदी केंद्र में किया जायेगा।

आज महानगरपालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अजय वैद्य ने इस केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, मुख्य लेखा वित्त अधिकारी रा. मा. सोलुंके, उपआयुक्त (स्वास्थ्य) शैलेश दोंदे, सहायक निदेशक (नगर नियोजन) अजय कांबले, पर्यावरण विभाग प्रमुख अनिल आव्हाड, और स्वास्थ्य विभाग प्रमुख जयवंत सोनवणे सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुंबई के तकनीकी कर्मचारियों को मिलेगी मजबूती

मुंबई। टीमलीज डिजिटल के एक नए विश्लेषण ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए नौकरियों के बदलते रुझानों पर रोशनी डाली है। यह रिपोर्ट जीसीसी (ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर्स), आईटी प्रोडक्ट्स और सर्विसेज, और गैर-तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री-लेवल (नौकरी का पहला चरण) और अन्य प्रमुख फंक्शनल (कार्य) क्षेत्रों पर केंद्रित है। इसमें बताया गया है कि इन क्षेत्रों में आने वाले समय में किस तरह के कौशल की मांग बढ़ेगी और किन नौकरियों (जॉब रोल्स) में सबसे अधिक सैलरी मिलने की संभावना है। इसके अलावा, साइबर सुरक्षा और नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेशन जैसी भूमिकाएं भी तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं, क्योंकि कंपनियां अपने डेटा और इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा को लेकर सतर्क हो रही हैं। यह विश्लेषण भारत के नौकरी बाजार में आने वाले बदलावों को समझने और युवाओं को बेहतर तरीके से तैयार करने में मदद करता है। इससे यह भी पता चलता है कि नौकरी पाने वाले लोगों के लिए नए अवसर कहां पर उपलब्ध होंगे और किन क्षेत्रों में उनका भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। मुंबई में तकनीकि क्षेत्रों की नौकरियों की जबरदस्त मांग है। इसमें प्रोडक्ट मैनेजमेंट, डेटा साइंस, और डेटा इंजीनियर जैसी भूमिकाएं सबसे आगे हैं। इन भूमिकाओं में मिलने वाले सैलरी पैकेज भी आकर्षक हैं। प्रोडक्ट मैनेजमेंट के लिए 19.5 लाख रुपए प्रति वर्ष, डेटा साइंस के लिए 14.5 लाख रुपए प्रति वर्ष, और डेटा इंजीनियर के लिए 10 लाख रुपए प्रति वर्ष तक का पेशकश की जा रही है। इसके अलावा, डेवऑप्स, फुल स्टैक डेवलपमेंट, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, और डेटा एनालिटिक्स जैसे फील्ड्स में भी अच्छी मांग है। इन क्षेत्रों में काम करने वाले पेशेवरों को 7.9 लाख रुपए से लेकर 8.3 लाख रुपए प्रति वर्ष तक की सैलरी मिल रही है। यह मुंबई को तकनीकी करियर के लिए एक प्रमुख केंद्र बनाता है, जहां न केवल अवसर बल्कि आकर्षक सैलरी पैकेज भी उपलब्ध हैं। आने वाले साल में तकनीकी नौकरियों के क्षेत्र में कई दिलचस्प बदलाव देखने को मिल सकते हैं। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और इंजीनियरिंग जैसे डोमेन, जहां कोडिंग, डिजाइन और सॉफ्टवेयर मेंटेनेंस पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है, तेजी से बढ़ रहे हैं। एआई और मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) जैसी आधुनिक स्किल्स की बढ़ती मांग इस क्षेत्र को और मजबूत बना रही है। 2024-25 के अंत तक, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट डोमेन में शुरूआती नौकरियों की औसत सैलरी जीसीसी में 9.37 लाख रुपए प्रति वर्ष, आईटी प्रोडक्ट्स और सेवाओं में 6.23 लाख रुपए प्रति वर्ष, और गैर-तकनीकी क्षेत्रों में 6 लाख रुपए प्रति वर्ष तक होने की उम्मीद है। साइबर सुरक्षा और नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेशन भी आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित करने में एक प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। इस डोमेन में जीसीसी के तहत 9.57 लाख रुपए प्रति वर्ष की औसत सैलरी का प्रस्ताव दिया जा रहा है, जो आईटी के अन्य क्षेत्रों से 40.12% ज्यादा है। यह इस बात को साबित करता है कि सुरक्षा में विशेषज्ञता की कितनी अहम जरूरत है। आईटी प्रोडक्ट्स और सर्विसेज में यह सैलरी 6.83 लाख रुपए प्रति वर्ष और गैर-तकनीकी क्षेत्रों में 5.17 लाख रुपए प्रति वर्ष तक हो सकती है।

डेटा मैनेजमेंट और एनालिटिक्स, जहां डेटा को इकट्ठा करके उसका विश्लेषण किया जाता है, ताकि बेहतर निर्णय लिए जा सकें, इस क्षेत्र में औसत सैलरी जीसीसी में 8.73 लाख रुपए प्रति वर्ष, आईटी प्रोडक्ट्स में 7.07 लाख रुपए प्रति वर्ष, और गैर-तकनीकी क्षेत्रों में 6.37 लाख रुपए प्रति वर्ष हो सकती है। क्लाउड सॉल्यूशंस और एंटरप्राइज एप्लिकेशन मैनेजमेंट, जो क्लाउड प्लेटफॉर्म्स और ईआरपी सिस्टम्स के जरिए कार्य कम करने और कार्यक्षमता बढ़ाने पर जोर देता है, इसमें जीसीसी में 7.67 लाख रुपए प्रति वर्ष, आईटी प्रोडक्ट्स में 6.07 लाख रुपए प्रति वर्ष, और गैर-तकनीकी क्षेत्रों में 6.53 लाख रुपए प्रति वर्ष की सैलरी मिलने की उम्मीद है। खास बात यह है कि गैर-तकनीकी क्षेत्र इस डोमेन में आईटी से लगभग 8% ज्यादा सैलरी ऑफर कर रहा है। बीएफएसआई, हेल्थकेयर और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में क्लाउड टेक्नोलॉजी को तेजी से अपनाए जाने से इन क्षेत्रों में और भी ज्यादा अवसर पैदा हो रहे हैं। यह साल तकनीकी विशेषज्ञों और नई प्रतिभाओं के लिए बहुत सारे मौके लेकर आएगा।

भारत का पहला क्रिकेट स्टेडियम होटल नाथद्वारा में खुलेगा

मुंबई। भारत का पहला शानदार क्रिकेट स्टेडियम होटल (एसपीएमएसएसआई) राजस्थान के पवित्र शहर नाथद्वारा में २०२५ में खुलने जा रहा है। मिराज ग्रुप की तरफ से बनाये जानेवाला यह होटल रेडिसन होटल समूह द्वारा संचालित किया जाएगा। यह भारत का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होटल है, जिसमें शानदार आवास के साथ लाइव क्रिकेट देखने की सुविधा है। इसमें २३४ आलीशान कमरे होंगे। उनमें से ७५ प्रतिशत कमरों में से क्रिकेट मैदान का अनोखा नजारा दिखेगा। यहां ठहरने वाले मेहमान अपने कमरे में बैठकर आराम से क्रिकेट का आनंद ले सकते हैं। यह होटल विलासिता और डिजाइन का सही मिश्रण है। आतिथ्य सत्कार और क्रिकेट के प्रति जुनून, दोनों मामले में यह एक नया मानक स्थापित करता है। इस नवोन्मेषी खेल परिसर में रहकर मेहमान नाथद्वारा की पवित्र भूमि की दूरदर्शिता और रेडिसन के उत्कृष्ट आतिथ्य का अनुभव लेने के लिए तैयार हो जाइए।

बीएलएस ई-सर्विसेज ने आदिफिडेलिस सॉल्युशंस का अधिग्रहण पूरा किया

मुंबई। टेक्नॉलॉजी इनेबल्ड डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड (बीएलएसई) ने आज आदिफिडेलिस सॉल्युशंस प्राइवेट लिमिटेड और उसके सहयोगियों (एएसपीएल) में 57% नियंत्रण हिस्सेदारी के अधिग्रहण के सफल समापन की घोषणा की है। आदिफिडेलिस सॉल्युशंस प्राइवेट लिमिटेड कॉर्पोरेट्स और व्यक्तियों को कर्ज के वितरण और प्रोसेसिंग में भारत की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है, जिसकी एंटरप्राइज वैल्यू लगभग 190 करोड़ रुपये है। बीएलएसई ने एएसपीएल में 57% हिस्सेदारी लगभग 123 करोड़ रुपये के टोटल कंसिडरेशन वैल्यू पर हासिल की है। कंपनी ने लगभग 78 करोड़ रुपये का अग्रिम निवेश किया है, जिसमें एएसपीएल में 25 करोड़ रुपये का प्राथमिक निवेश शामिल है। वित्त वर्ष 2024-25 और वित्त वर्ष 2025-26 में कुछ ईबीआईटीडीए में उपलब्धि हासिल करने पर अतिरिक्त भुगतान किया जाएगा। एएसपीएल वर्तमान में 1,500+ करोड़ रुपये का औसत मासिक ऋण वितरण की सुविधा प्रदान करता है। बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड के अध्यक्ष श्री शिखर अग्रवाल ने कहा, हम कर्ज वितरण और प्रोसेसिंग के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित इकाई एएसपीएल में नियंत्रण हिस्सेदारी के अधिग्रहण को पूरा करके बेहद खुश हैं। यह रणनीतिक कदम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बीएलएसई के व्यापक नेटवर्क के साथ अलाइन हो रहा है और वंचित समुदायों को आवश्यक अंतिम छोर की बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में हमारे प्रभुत्व को मजबूत करेगा। यह अधिग्रहण वित्तीय समावेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और फिनटेक और डिजिटल प्लेटफॉर्म सहित व्यापक व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म बनने के हमारे लक्ष्य का प्रमाण है। हमें विश्वास है कि यह साझेदारी वित्तीय क्षेत्र में एक मजबूत ताकत बनाएगी, जो सेवा वितरण में इनोवेशन और एक्सीलेंस को बढ़ावा देगी।

नवनिर्वाचित विधायिका स्नेहा दुबे पंडित को पालघर रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने दी बधाई

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के वसई विधानसभा सीट से नवनिर्वाचित विधायिका स्नेहा दुबे पंडित से श्री सार्वजनिक रामलीला कमेटी पालघर के पदाधिकारियों ने औपचारिक मुलाकात कर उन्हें महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में वसई विधानसभा सीट से शानदार जीत हासिल करने हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर श्री सार्वजनिक रामलीला कमेटी पालघर के संयोजक पंडित राजू शर्मा की अगुआई में महासचिव स्वामीनाथ पाण्डेय के साथ संदीप पाण्डेय, रवि सिंह, डॉ.सूर्यमणि सिंह ने शिष्टाचार मुलाकात कर नवनिर्वाचित विधायिका स्नेहा दुबे पंडित को आगामी 11 दिसंबर 2024 से कांग्रेस भवन कचहरी रोड में होने जा रहे दस दिवसीय पालघर रामलीला कृष्ण लीला महोत्सव में शामिल होने हेतु निमंत्रित किया।

जिले के 6 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के तहत मिला राष्ट्रीय रेटिंग मानांकन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के जव्हार तहसील में 3 संस्थान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जामसर, साखरशेत और साकुर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घोलवड, दहानू, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आमगांव, तलासरी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तलवाड़ा, विक्रमगढ़ को गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय रेटिंग प्राप्त हुई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घोलवड, दहानू को जनवरी 2017 और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जामसर, जवाहर को वर्ष 2019 में राष्ट्रीय गुणवत्ता रेटिंग प्राप्त हुई। उन्हें नियमित गुणवत्ता बनाए रखते हुए दोबारा रेटिंग दी गई है। गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के तहत इन 6 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का मूल्यांकन 7 अगस्त से 22 अगस्त 2024 के बीच राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन करने वाले अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया था। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल, रोगियों और रिश्तेदारों के प्रति कर्मचारियों के व्यवहार के साथ-साथ रोगी के अधिकारों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन और उपलब्ध प्रशिक्षित कर्मचारियों, उपलब्ध दवाओं, उपकरणों और औजारों, संक्रमण नियंत्रण विधियों और स्वच्छता और सभी प्रशासनिक के संबंध में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के तहत चेकलिस्ट के माध्यम से मूल्यांकन किया जाता है। इस कार्यक्रम में जिले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली संस्थाओं का चयन किया जाता है और सबसे पहले संस्था चेकलिस्ट के अनुसार स्व-मूल्यांकन और अंतर-विश्लेषण करती है और त्रुटियों को ठीक करती है। कमियों को पूरा करने के लिए तहसील के साथ-साथ जिला स्तर पर भी सहयोग किया जाता है। अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है और नियमित पर्यवेक्षीय व संनियंत्रण दौरे जिला स्तरीय अधिकारियों व गुणवत्ता आश्वासन कक्षों द्वारा आयोजित किए जाते हैं। जब संस्थान को चेक लिस्ट के अनुसार 70% या उससे अधिक अंक मिलते हैं, तो उसका मूल्यांकन जिला स्तर से गुणवत्ता आश्वासन सेल (जिला स्तरीय अधिकारी, गुणवत्ता आश्वासन समन्वयक) के माध्यम से किया जाता है और यदि संस्थान पात्र होता है, तो उसे राज्य मूल्यांकन के लिए आवेदन किया जाता है। मूल्यांकन अधिकारियों की नियुक्ति राज्य कार्यालय द्वारा की जाती है और संगठन का मूल्यांकन राज्य स्तर पर किया जाता है और यदि संस्थान योग्य होता है, तो वह राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन के लिए आवेदन करता है। अन्य राज्यों में चिकित्सा क्षेत्र में मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली व संसाधन केंद्र, दिल्ली के माध्यम से प्रशिक्षित और पैनलबद्ध अधिकारियों को मूल्यांकन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है। मूल्यांकन प्रक्रिया 2 दिनों की है। मूल्यांकन अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साक्षात्कार, रजिस्टरों और अन्य दस्तावेजों की जांच।

मनपा अधिकारियों की उपेक्षा का शिकार है मुलुंड का संभाजी उद्यान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड पूर्व में छत्रपति संभाजी महाराज उद्यान की हालत खस्ता हो गई है। बताया जाता है कि क्रिकेट खेलने वाले बच्चों द्वारा रनवे बनाने के लिए बाहर से मिट्टी लाने के कारण मैदान जर्जर हो गया है। साथ ही रनवे बनाने में इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक के बोरे और पत्थर भी जगह-जगह बिखरे हुए हैं, जिससे साइकिल चलाने आने वाले बच्चे इन पत्थरों के साथ-साथ ऊंचे रनवे में फंसकर घायल हो रहे हैं। मनपा अधिकारियों ने इसे पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है और स्थिति यह हो गई है कि इस मैदान की रखरखाव करने वाला कोई नहीं है।

मिली जानकारी के अनुसार मुलुंड पूर्व में छत्रपति संभाजी महाराज मैदान मनपा के स्वामित्व में है और उद्यान विभाग द्वारा इसका रखरखाव किया जाता है। उद्यान की दुर्दशा को देखते हुए यह सवाल खड़ा हो गया है कि उद्यान विभाग अस्तित्व में है या नहीं और विभाग में कार्यरत अधिकारी वास्तव में क्या करते हैं। पिछले कुछ दिनों में क्रिकेट खेलने वाले बच्चों ने ऊंचा रनवे बनाने के लिए जगह-जगह जमीन खोद दी है और बाहर से भारी मात्रा में मिट्टी भी ले आए हैं। चूंकि रनवे का निर्माण जमीन से आधा से एक फीट ऊंचा किया गया है, इसलिए यहां पर सुबह की सैर और साइकल चलाने आने वाले छोटे बच्चों के लिए ये रनवे परेशानी का सबब बन रहे हैं। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों को मॉर्निंग वॉक में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

भिवंडी में एमपीसीबी, कल्याण विभाग की छापेमारी, कई टन प्रतिबंधित प्लास्टिक जप्त

भिवंडी। भिवंडी मनपा प्रशासन के संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के कारण प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। केंद्र सरकार,व राज्य सरकार पर्यावरण बचाने के लिए करोड़ो.रुपया खर्च कर रही है। वहीं प्रतिबंधित प्लास्टिक थैलियां खुलेआम थोक में बिक रही है। फल-सब्जी विक्रेताओं से लेकर दुकानदारों तक, हर कोई इसका इस्तेमाल कर रहा है। भिवंडी शहर निजामपुर महानगरपालिका ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई के लिए मैसर्स रेहान इंटरप्राइजेस नाम की निजी कंपनी को ठेका दिया है समझौते के मुताबिक, वसूले गए जुर्माने का ६०% हिस्सा मनपा और ४०% ठेकेदार को मिलता है,लेकिन सूत्रों का दावा है कि यह ठेका भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है। ठेकेदार के कर्मचारी जुर्माने के नाम पर मोटी रकम वसूलते है और खुद की जेबें भरते है। जब मनपा और ठेकेदार की लापरवाही की हदें पार हो गईं, तो यह मामला महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के कल्याण विभाग तक पहुंचा। मंडल की टीम ने मंडाई बाजार के भिवंडी टाकीज क्षेत्र में एक दुकान पर छापा मारा और टनों प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई उस वक्त हुई, जब महानगरपालिका प्रशासन और ठेकेदार कागजों में पर्यावरण की रक्षा का दावा कर रहे थे। हैरानी की बात यह है कि टढइ की कार्रवाई के बाद मनपा के पर्यावरण विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और अपनी मौजूदगी दिखाने के लिए फोटोग्राफी कराई।

स्टिचिंग द सर्कल: ए रोडमैप फॉर सर्कुलर टेक्सटाइल्स इन इंडिया को लॉन्च किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) ने डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनेल जुसामेनारबीट के साथ सहभागिता करके, वाराणसी में आयोजित संकल्प भारत समिट 2024 के दौरान, भारतीय कपड़ा एवं परिधान उद्योग के लिए अपनी तरह के पहले सर्क्युलरिटी दिशा-निर्देशों को बड़े गर्व के साथ लॉन्च करने का ऐलान किया है। इस समारोह में उद्योग जगत के धुरंधरों, सरकारी अधिकारियों और सस्टेनेबिलिटी के विशेषज्ञों सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया, और भारतीय कपड़ा एवं परिधान क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की अहमियत पर रोशनी डाली। यह परियोजना एक तीन-वर्षीय परिवर्तनकारी साझेदारी के उरूज पर पहुँचने की निशानी है। सर्क्युलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों, नवाचार और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करके भारतीय कपड़ा क्षेत्र को नई शक्ल देना इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य है।

स्टिचिंग द सर्कल: ए रोडमैप फॉर सर्कुलर टेक्सटाइल्स एंड अपैरल इन इंडिया शीर्षक से जारी ये दिशा-निर्देश एक विस्तृत गाइड है, जिसे रेखाकार कपड़ा कारोबार को सर्कुलर अर्थव्यवस्था वाले मॉडल में बदलने के इरादे से डिजाइन किया गया है। इसमें एबीएफआरएल और GIZ की सहभागिता वाली यात्रा के दौरान उठाए गए कई कदम शामिल हैं। इन पहलों का साझा लक्ष्य यह है कि कपड़े की मूल्य श्रृंखला में सस्टेनेबिलिटी को आगे बढ़ाया जाए, अपशिष्ट को कम किया जाए और संसाधनों की कार्यदक्षता को बढ़ावा दिया जाए।

एबीएफआरएल और GIZ के बीच इस दृष्टिकोण के साथ साझेदारी शुरू हुई थी कि कपड़ा उद्योग द्वारा उत्पन्न होने वाली पर्यावरण-संबंधी गंभीर चुनौतियों का समाधान निकाला जाए। पिछले तीन वर्षों में, इस सहभागिता ने भारत के टेक्सटाइल सेक्टर में क्रांतिकारी बदलाव लाने के उद्देश्य से कई असरदार पहलों का नेतृत्व किया है। इन पहलों में सर्कुलरिटी की वर्तमान स्थिति का आकलन करने के लिए एक व्यापक बेसलाइन सर्वेक्षण, स्थायी समाधानों को बढ़ावा देने के लिए सर्कुलरिटी इनोवेशन चैलेंज 2023 और कपड़ा मूल्य श्रृंखला में हितधारकों को सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम-डिकोडिंग सर्कुलरिटी टुगेदर शामिल हैं। एबीएफआरएल और GIZ ने कपड़ा आपूर्ति श्रृंखला के साथ सर्कुलर समाधानों को एकीकृत करने के लिए कुछ पायलट प्रोजेक्ट भी चलाए, जिन्हें जागरूकता बढ़ाने और कदम उठाने को प्रेरित करने वाले एक दिलकश नैरेटिव के जरिए दर्ज किया गया।आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री आशीष दीक्षित का कहना है- "GIZ के साथ हमारी तीन साल की साझेदारी ऐसी परिवर्तनकारी यात्रा रही, जो सार्थक बदलाव लाने में औद्योगिक सहभागिता की असली ताकत को दर्शाती है। इस सर्कुलरिटी दिशानिर्देशों का लॉन्च होना, हमारे लिए एक निर्णायक क्षण है, जो सस्टेनेबिलिटी की दिशा में फैशन उद्योग के साथ सहभागिता करने और एक सर्कुलर टेक्सटाइल इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के प्रति हमारी अटल प्रतिबद्धता जाहिर करता है। हम लॉन्च हुए नए दिशानिर्देश, रेखाकार से सर्कुलर अर्थव्यवस्था वाले मॉडल में बदलने की व्यावहारिक रणनीतियाँ प्रस्तुत करते हैं। इसमें 6R एप्रोच (रीडिजाइन, रिड्यूस, रीयूज, रीमैन्युफैक्चर, रिसाइकल, रीजनरेट) शामिल है, जो कपड़ा उद्योग को अपशिष्ट घटाने तथा संसाधन कार्यदक्षता और सर्कुलरिटी को बढ़ाने की रूपरेखा प्रदान करता है। यह घोषणापत्र संगठन में मौजूद सर्कुलरिटी को मापने तथा वैश्विक प्रमाणन के साथ सस्टेनेबिलिटी के पैक्तिबद्ध होने को प्रोत्साहित करने वाले प्रमुख।

छत्रपति शिवाजी विद्यालय की छात्रा अल्फिया खान ने जीता सांत्वना पुरस्कार

मुंबई। एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी,(धारावी) में स्थित महात्मा फुले शिक्षण संस्था अपने विद्यार्थियों के विकास के लिए विविध उपक्रम चलाती हैं, ताकि हमारे बच्चे भी ज्ञान, विज्ञान के क्षेत्र में किसी से कम ना रहें। हमारे यहां मेकर स्पेस लैब स्थापित किया गया है,जहां विद्यार्थी नवनविन प्रयोग करते हैं। (ऋर अश्क्रलडअफ अहअफ्क्र 2024) यह एक राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रोजेक्ट्स पर आधारित स्पर्धा है। इस स्पर्धा में देशभर से 44 से अधिक छात्रों ने भाग लिया था। अनेक चरणों से गुजरने के बाद 13 छात्रों के प्रोजेक्ट्स को पुरस्कृत किया गया। उन्हीं चुनिंदा प्रोजेक्ट में हमारे छत्रपति शिवाजी विद्यालय (उर्दू, माध्यम , 10वीं)की छात्रा अल्फिया सफिकुल्लाह खान के द्वारा बनाया गया (अलर्ट ड्राइव हेड गियर) ने परिक्षको का दिल जीत लिया। उसके इस प्रोजेक्ट की खास बात यह है कि गाड़ी चलाते नींद के कारण होनेवाली दुर्घटना को रोकना है।यह डिवाइस इस तरह डिजाइन किया गया है कि यदि ड्राइवर को थकान के कारण यदि नींद का आभास होता है तो यह डिवाइस अलार्म बजाकर अलर्ट करके जोखिम को कम करता हैऔर जीवन बचाता है। अल्फिया खान के इस प्रोजेक्ट के लिए प्रमाण पत्र व नगद राशि से पुरस्कृत किया गया। धारावी जैसे पिछड़े इलाके में रहनेवाली और अल्पसंख्यक समुदाय से ताल्लुक रखने वाली इस बच्ची ने नाम रोशन कर दिया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे। पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ठगी के 24 घंटे के अंदर करें शिकायत, बच जाएंगे पैसे

पकड़ से नहीं बच पाएगा अपराधी, साइबर क्राइम रोकने को पुलिस रहेगी प्रतिबद्ध

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। साइबर क्राइम पर लगाम लगाने के लिए कमिश्नरेट पुलिस अलर्ट है। साइबर अपराधों पर कार्रवाई के लिए अलग से साइबर थाना बनाया गया है। डीसीपी वरूणा जोन चंद्रकांत मीणा ने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने लोगों को साइबर फ्राड को लेकर आगाह किया। साथ ही सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने साइबर अपराध को रोकने के लिए पुलिस अलर्ट है। प्रदेश स्तर से प्रत्येक जिले में एक साइबर थाना बनाया गया है। जहां इस तरह के अपराधों की छानबीन कर भुक्तभोगी को राहत दिलाने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि यदि पांच लाख से अधिक की ठगी के शिकार हुए हैं तो संबंधित थाने में जाकर शिकायत कर सकते हैं। 24 घंटे के अंदर शिकायत करने पर आपका पैसा ब्लाक कराने और अपराधी को पकड़ना आसान हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस समय इनविटेशन के माध्यम से मोबाइल हैक किया जा रहा है। यदि किसी भी व्यक्ति के मोबाइल पर कोई एप्लीकेशन भेजता है तो उसे कंफर्म करके डाउनलोड एवं जांच कर ही खोलें। एपीके फाइल को डाउनलोड करने से पहले जांच कर लें। कहा कि कभी भी एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए कोई व्यक्ति कह रहा है तो डाउनलोड न करें। कभी-कभी साइबर अपराधी ऐप डाउनलोड के लिए ऑप्शन भेजते हैं। जिसको इसके बारे में जानकारी नहीं होती है वह डाउनलोड कर लेता है। इससे आपके मोबाइल का सारा डेटा अपराधी के पास पहुंच जाता है। उन्होंने कहा कि यदि आपके पास अनजान नंबर से फोन आए और बैंक ओटीपी अथवा कोड मांगे तो कभी भी शेयर न करें। तुरंत नजदीकी साइबर थाना या पुलिस प्रशासन को सूचित करें। पुलिस समय रहते कार्रवाई करेगी।

दबंगों ने किशोर को पीटकर किया घायल

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत बीबीगंज बाजार में मामूली विवाद के चलते दबंगों ने एक किशोर को पीटकर लहूलुहान कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना दे इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। क्षेत्र के बीबीगंज बाजार निवासी 15 वर्षीय करन गुप्ता पुत्र दिलीप गुप्ता शुक्रवार को दुकान के बाहर गाड़ी खड़ा करने को मना करने पर बगल के गांव के दबंग युवकों ने किशोर को पीटकर लहूलुहान कर दिया। सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना दे इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। वहीं पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

यातायात पुलिस ने लॉयल वंडर स्कूल के 400 छात्र-छात्राओं के साथ चलाया जागरूकता अभियान

इम्तियाज अहमद

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान आज लॉयल वंडर स्कूल मछलीशहर, जौनपुर के 400 बच्चों के मध्य जागरुकता कार्यक्रम किया गया व शहर के प्रमुख चौराहा, तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुवे प्रवर्तन की कार्यवाही में 1954 वाहनों का चालान किया गया।

शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी मछलीशहर गिरेन्द्र कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक यातायात जी0डी0 शुक्ला व निरीक्षक सैयद हुसैन मुन्तजर के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान आज लॉयल वंडर स्कूल मछलीशहर, जौनपुर में 400 बच्चों के माध्यम से यातायात जागरूकता से सम्बन्धित क्विज, संभाषण, रंगोली, चित्रकला, पोस्टरकला एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित किया गया,तथा सभी बच्चों को यातायात नियमों की शपथ दिलायी गयी। साथ ही शहर के प्रमुख चौराहा,तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया। न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी तथा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया। हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 1954 वाहनों का चालान किया गया। यातायात माह में दिनांकः 29.11.2024 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाही में कुल चालान संख्याः-1954 बिना हेलमेट वाहन चलानाः-1485 बिना सीट बेल्ट वाहन चलानाः- 71 तीन सवारी वाहन चालानाः-130 यातायात नियमों का उल्लंघनः-13 मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलानाः-15 खराब/क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट का प्रयोगः-31 बिना डी0एल0 वाहन चलानाः-8 वाहन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोगः- 2 नो पार्किंगः-62 शेष अन्य धारा मेः-137

पीड़ित परिवार को सरकारी नौकरी और पचास लाख का मुआवजा दे सरकार: ओपी राजभर

जलालपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह यूपी सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओमप्रकाश राजभर शुक्रवार को जलालपुर थाना क्षेत्र के रेहटी गांव में पहुंचकर मृतक पंकज राजभर के परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी ली और परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया की आरोपितों की गिरफ्तार हो चुकी है। पुलिस के कार्य से परिवार के लोग संतुष्ट है। स्थानीय विधायक जगदीश नारायण राय के बारे में उन्होंने साफ कहा कि वह हमारे पार्टी को धोखा देकर वह लाल टोपी वालों के साथ है वक्त आने पर उनकों जनता सबक सिखाएगी। आपको बता दे की बीते मंगलवार की रात रेहटी गांव के निवासी पंकज राजभर को मकरा चौराहे के पास मामूली विवाद में दबंगो द्वारा कार से कुचल के मार डालने की घटना हुई थी। जिसके बाद यह हत्याकांड अब राजनीतिक रूप ले चुका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है उनके साथ मुख्य रुप से जखनिया के विधायक बेदी राम सुभासपा के राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर जे पी सिंह के आलावा अरबिन्द राजभर मौजूद थे।

डॉ.जान्हवी श्रीवास्तव बनी कौशल विकास केंद्र की नोडल अधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र का व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर जान्हवी श्रीवास्तव को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केन्द्र के नोडल अधिकारी प्रो0 राज कुमार के स्थान पर कुलपति प्रो वंदना सिंह ने तात्कालिक प्रभाव से डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव को कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केन्द्र का नोडल अधिकारी नामित किया है। शुक्रवार को डॉक्टर जान्हवी श्रीवास्तव ने प्रोफेसर राजकुमार से कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि कौशल विकास केंद्र में निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिससे लोगों को रोजगार प्राप्त हो सके।

रामपुर पुलिस ने अपहरण व पाक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल के कुशल निर्देशन मे उ0नि0 माया शंकर दुबे मय हमराह कर्म0गण द्वारा देखभाल क्षेत्र ,चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति / वाहन ,पेण्डिंग विवेचना के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-224/24 धारा 137(2),87,64(1),61(2)ए बीएनएस व 5/6 पाक्सो एक्ट थाना रामपुर जौनपुर से संबंधित वांछित चल रहे अभियुक्त चाँद मोहम्मद पुत्र जाबिर अहमद उर्फ नाटे उर्फ हुक्का निवासी ग्राम गोपालापुर पुरानी बाजार थाना रामपुर जौनपुर को आज दिनांक 29.11.2024 को समय 07.10 बजे सुबह गोपालापुर मोड़ रामपुर से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

मिजिल्स रुबेला टीकाकरण कार्यक्रम हेतु किया गया जागरुक, प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया लाभ

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत एमआर कैच अप टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत 1 से 5 वर्ष के छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। उपजिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया के दिशा निर्देश में नायब तहसीलदार बलवंत उपाध्याय के नेतृत्व में ग्राम सभा कौड़िया में भ्रमण करते हुए टीकाकरण से इनकार करने वाले परिवारों स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों से मिलकर टीकाकरण के लिए प्रेरित किया गया। टीम में प्रभारी खंड विकास अधिकारी संजय श्रीवास्तव, मेडिकल आफिसर डॉ फैजान अहमद, सचिव सुजीत कुमार, बीएमसी यूनिसेफ अवधेश तिवारी, एआरओ प्रतिरक्षण अधिकारी विप्लव यादव, राहुल कुमार यादव, दुर्गा प्रसाद, चंद्रेश कुमार, अभय राज उपस्थित थे।

वाराणसी एयरपोर्ट पर पकड़ा गया 62 लाख का सोना

816 ग्राम विदेशी सोने के साथ शारजाह से पहुंचा था यात्री, भेजा गया जेल

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। जनपद के लान बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक यात्री को 816 ग्राम सोने और 2400 स्टिक विदेशी सिगरेट के साथ खुफिया एजेंसी ने गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया यात्री शारजाह से वाराणसी पहुंचा था। उसकी पहचान दिल्ली निवासी रईसुद्दीन के रूप में हुई। जिसे पूछताछ के बाद खुफिया एजेंसियों ने पुलिस को सौंप दिया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इंडियन एक्सप्रेस के विमान से पहुंचा था एयरपोर्ट सीमा शुल्क की हवाई खुफिया एजेंसी के अनुसार उन्हें बुधवार की शाम एक सूचना मिली थी कि एक यात्री शारजाह से वाराणसी विदेशी सोना लेकर आ रहा है। ऐसे में इंडियन एक्सप्रेस के विमान संख्या क-184 के यात्रियों के सामानों की खुफिया तरीके से सघन तलाशी ली गई। इस दौरान एक यात्री के पास से 816 ग्राम सोना और 2400 स्टिक विदेशी सिगरेट बरामद हुई। अधिकारियों ने बताया पकड़े गए व्यक्ति की पहचान दिल्ली के रहने वाले रईसुद्दीन के रूप में हुई है। फिलहाल उसे पूछताछ के बाद खुफिया एजेंसी ने गुरुवार को पुलिस को सौंपा तो मामले का खुलासा हुआ। फिलहाल पुलिस ने उसे संबंधित धाराओं में जेल भेज दिया है।

विश्वविद्यालय परिसर टीम को योग में मिला तृतीय पुरस्कार

विशेष शर्मा का राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन, कुलपति ने विश्वविद्यालय योग टीम को दी बधाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर की योग टीम ने अंतर महाविद्यालयीय पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय परिसर टीम को योग में पहली बार यह पुरस्कार मिला है। पंडित दीनदयाल राजकीय महाविद्यालय सैदपुर, गाजीपुर में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। टीम के सदस्य विशेष शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर की योग प्रतियोगिता के लिए हुआ है। शुक्रवार को कुलपति कार्यालय में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने टीम में शामिल विद्यार्थियों एवं कोच योग गुरु जय सिंह को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में पिछले एक वर्ष से निरंतर योग गतिविधियों के संचालित होने से बहुत सारे विद्यार्थियों ने इसे अपने जीवन से जोड़ा है। विद्यार्थी इसके सकारात्मक परिणाम को महसूस कर रहे है। जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने कहा कि विद्यार्थियों की मेधा के लिए योग सिद्ध है। आज डिजिटल दौर में जब एकाग्रता भंग हो रही है ऐसे समय में स्मरण शक्ति को बढ़ने एवं एकाग्रता के लिए योग को अपनाना होगा। योग गुरु जय सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की योग टीम में विशेष शर्मा, भानु प्रताप यादव, सुनील वर्मा, अमित कुमार एवं आशुतोष यादव शामिल रहे।

सर्राफा की दुकान में सेंध लगाकर नकदी सहित 50 हजार की चोरी

भुलेमऊ बाजार में एक हफ्ते में दूसरी बार हुई घटना से दहशत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के भुलेमऊ बाजार में स्थित एक सराफा की में गुरुवार रात को सेंध लगाकर चोर नगदी सहित 50 का गहना व सामान चुरा ले गए।एक हफ्ते के भीतर हुई इस दूसरी घटना से स्थानीय दुकानदारों मे दहशत व्याप्त है। नगर कोतवाली क्षेत्र के वाजिदपुर उत्तरी निवासी गोरखनाथ सेठ की उक्त बाजार में सूरज ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। प्रतिदिन की भांति दुकान बंद करके वह घर चला गया। चोर रात को दुकान के पीछे की दीवार में सेंध काटकर अंदर गए।वहां पर रखी अलमारी को तोड़ दिया। उसके बाद उसमें रखा कुछ सोने की कील,चांदी की कुछ पायल व आर्टिफिशियल गहना उठा ले गए।सुबह किसी ने दुकानदार को घटना की जानकारी दिया। घटना की जानकारी होने पर पहले 112 डायल पुलिस आयी। उसके बाद थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव एस आई धनुषधारी पाण्डेय मय फोर्स मौके पर पहुंच गए।

उन्होंने दुकानदार से रखे गए सामानों की जानकारी लिया।पुलिस मामले की जाँच पड़ताल करने में जुट गयी है। वही दूसरी तरफ स्थानीय लोग तथा दुकानदारों का कहना है कि 21 नवम्बर को बाजार में ही स्थित सराफा की दुकान से नगदी सहित एक लाख की चोरी हुई थी। उसके बाद भी हल्के के एस आई व सिपाही इस तरफ ध्यान नही दिए। घटना के पदार्फाश की बात तो दूर एक नई घटना हो गयी। पुलिस मात्र बाइक चेकिंग में अपनी पहचान व दहशत बनाये हुए है। लोग काफी आहत हैं। थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने फॉरेंसिक टीम को बुलवाकर कार्यवाही शुरू कर दिया है।

गेंदा के फूलों से महकेगा जनपद, चमकेगा किसान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गेंदा के फूलो से महकेगा जनपद, चमकेगा किसान गेंदा फूलो की खेती, कम लागत, कम मेंटिनेंस और बंपर मुनाफा उद्यान विभाग द्वारा संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना वर्ष 2024-25 मे जनपद को 35 हे0 क्षेत्रफल मे गेंदा की खेती का लक्ष्य दिया गया है। योजना के तहत लघु एवं सीमान्त कृषको को एक हे० क्षेत्रफल मे खेती करने पर 40 हजार रू० की लागत पर 40 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जायेगा। परंपरागत खेती से हट कर फूलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए उद्यान विभाग की ओर से किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। परम्परागत खेती से हटकर कुछ अलग करने हेतु यह एक अच्छा विकल्प है।जिसमे कम लागत मे अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है वर्ष मे 03 बार गेंदा की खेती की जा सकती है। गेंदा के फूलो की मांग निरंतर बढ़ती जा रही है। किसानो की आय एवं उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने हेतु सरकार जोर दे रही है फूलो की मांग खासकर त्योहार एवं शादी समारोह मे बहुत अधिक बढ़ जाती है जिससे किसानो की आय दुगनी होने में मदद मिलती है योजना का लाभ लेने हेतु कृषको से अपील है कि पोर्टल http://dbt.uphorticulture.in/ पर आन लाइन पंजीयन कराकर आवश्यक प्रपत्र (भूमि की खतौनी, खसरा, बैंक पासबुक की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति व फोटो) कार्यालय मे यथाशीघ्र जमा कराकर अपना पंजीकरण करा ले। कार्यकमो की विस्तृत जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस मे कार्यालय से सर्पक कर अथवा योजना प्रभारी के दूरभाप नम्बर 9455112600 पर सर्म्पक कर सकते है। जिला उद्यान अधिकारी जौनपुर। कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी, जौनपुर। 28 दिनांक 25/11/24 पत्रांक 1400 / गेंदा की खेती / विज्ञप्ति / प्रतिलिपिः- जिला सूचना अधिकारी, जौनपुर की सेवा मे इस अनुरोध के साथ की कृपया विभिन्न समाचार पत्रो में जनहित मे निःशुल्क प्रकाशित कराने का कष्ट करे। जिला उद्यान अधिकारी जौनपुर।

गेंदा के फूलों की खेती, कम लागत व कम मेंटिनेंस और बंपर मुनाफा

सरकारी दावा फेल, बाहर से अल्ट्रासाउंड कराने को मजबूर हो रहे मरीज

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह जिला अस्पताल तथा महिला अस्पताल में केवल एक ही रेडियोलॉजिस्ट उपलब्ध होने की वजह से मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि मरीजों को सरकारी अस्पताल में समय पर अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं मिल पा रही है और उन्हें मजबूरन प्राइवेट जांच केंद्रों का सहारा लेना पड़ रहा है। जिला अस्पताल में इलाज के लिए आए एक मरीज के हाथ में प्राइवेट जांच केंद्र से कराई गई अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट देखी गई। पत्रकारों ने जब इस मामले पर उक्त मरीज से बात किया तो नाम न छापने की शर्त पर पता चला कि, सरकारी अस्पताल में समय पर अल्ट्रासाउंड नहीं हो सका।इसलिए मरीज को निजी केंद्र पर जाना पड़ रहा है योगी सरकार लाख दावा करती रहे लेकिन तमाम सुविधाओं का लाभ आज तक जनता को नहीं मिल पा रहा है। बता दें कि, जिला अस्पताल और महिला अस्पताल में प्रतिदिन दर्जनों मरीज अल्ट्रासाउंड के लिए आते हैं। हालांकि, एक ही रेडियोलॉजिस्ट दोनों अस्पतालों के लिए जिम्मेदार है। जिन्हें अस्पताल के साथ साथ मेडिकल की भी जिम्मेदारी रहती है और रेडियोलॉजिस्ट पर दिन ब दिन मरीजों का दबाव लगातार बढ़ ही रहा है।मरीजों में नीतू उपाध्याय, कोमल सहित अन्य मरीजों का कहना है कि, सरकारी अस्पताल में जब अल्ट्रासाउंड कराने की सुविधा है। तो उन्हें निजी जांच केंद्र पर क्यों जाना पड़े। निजी केंद्रों पर उन्हें महंगी फीस चुकानी पड़ती है।जो गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए मुश्किल हो जाती है। इस तरह की घटनाओं से कमजोर पड़ते नजर आ रहे विशेषज्ञों का कहना है कि, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए अधिक रेडियोलॉजिस्ट और अन्य चिकित्सकीय स्टाफ की नियुक्ति आवश्यक है। दूर दराज से आए मरीजों ने बताया कि, अस्पताल प्रशासन को चाहिए कि, मरीजों की परेशानियों को गंभीरता से लें और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाएं। सरकारी अस्पताल में संसाधनों की कमी को जल्द से जल्द दूर करना समय की मांग है।ताकि मरीजों को प्राइवेट सेंटर जाने की मजबूरी से निजात मिल सके। उक्त मामले पर बात करने पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ के0के0 राय ने इस समस्या को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, एक ही रेडियोलॉजिस्ट होने की वजह से दोनों अस्पतालों में काम का दबाव बढ़ गया है। हम स्थिति को सुधारने के लिए प्रयास कर रहे हैं और जल्द ही समाधान निकाला जाएगा। मरीजों को सरकारी सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके, यह हमारी प्राथमिकता है।

अस्पताल 2 लेकिन रेडियोलॉजिस्ट एक, मरीजों को मजबूरन प्राइवेट जांच केंद्रों का लेना पड़ रहा है सहारा

जलालपुर पुलिस ने कार से दबाकर हत्या करने वाले तीन मनबढ़ लोगों को किया गिरफ्तार

घटना में शामिल स्विफ्ट कार भी पकड़ी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। घनानन्द त्रिपाठी प्रभारी निरीक्षक थाना- जलालपुर जौनपुर, मय हमराह अपनी पुलिस टीम के साथ क्षेत्र मे मामूर थे कि मु0अ0सं0 358/24 धारा 103(1), 3(5), 115(2) बीएनएस के नामजद/वांछित अभियुक्तगण 1- अभिषेक सिंह उर्फ छोटू पुत्र दिनेश सिंह 2- रोहित कुमार सिंह पुत्र नरसिंह बहादुर नि0गण ग्राम रेहटी थाना जलालपुर जौनपुर 3- अविनाश सिंह पुत्र अशोक सिंह नि0ग्राम लोह गाजर थाना जलालपुर जौनपुर को सूचना के आधार पर कस्बा जलालपुर से गिरफ्तार कर नियमानुसार बकायदा बाजाफ्ता हिरासत पुलिस मे लिया गया एवं घटना में प्रयुक्त वाहन एक अदद कार स्वीफ्ट यू0पी0 62 सी0यू0 2777(काला रंग) की बरामद की गयी, बाद बरामदगी व गिरफ्तारी नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई भेजा गया जेल इन लोगो ने तीन दिन पहले एक व्यक्ति के ऊपर कार चढ़ाकर उसको मार डाला था।

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारियों ने की सभा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उ.प्र.घाटे के गलत आँकड़े दे रहा है। पॉवर कारपोरेशन प्रबन्धन घाटे के नाम पर कौड़ियों के मोल अरबों-खरबों की परिसम्पत्तियाँ बेचने में व्यस्त है। प्रबन्धन कर्मचारियों की सेवा शर्त प्रभावित होने।पदावनति और छंटनी की बाद खुद स्वीकार की है प्रबन्धन ने विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उ.प्र. ने पावर कारपोरेशन प्रबन्धन पर झूठ के सहारे अरबों-खरबों रुपए की बिजली विभाग की परिसम्पत्तियाँ पहले से तय कुछ चुनिंदा निजी घरानों को बेचने में लगा हुआ है। प्रबन्धन ने यह कहकर कि 42 जनपदों का निजीकरण होने के बाद शेष बचे पावर कारपोरेशन में पदों में वृद्धि की जायेगी। खुद स्वीकार कर लिया है कि निजीकरण से कर्मचारियों की पदावनति और छंटनी होने वाली है। संघर्ष समिति, उ.प्र. के आह्वान पर आज राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश-भर में समस्त जनपदों एवं परियोजना मुख्यालयों पर निजीकरण के विरोध में सभाएं की गयीं। सभाओं में कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि निजीकरण की कोई भी एकतरफा कार्यवाही की गयी तो बिजली कर्मचारी लोकतांत्रिक ढंग से संघर्ष करने हेतु विवश होंगें। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों राजीव सिंह, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, गिरीश पांडेय, महेन्द्र राय, सुहैल आबिद, पी.के.दीक्षित, राजेंद्र घिल्डियाल, चंद्र भूषण उपाध्याय, आर वाई शुक्ला, छोटेलाल दीक्षित, देवेन्द्र पाण्डेय, आर बी सिंह, राम कृपाल यादव, मो वसीम, मायाशंकर तिवारी, राम चरण सिंह, मो0 इलियास, श्री चन्द, सरयू त्रिवेदी, योगेन्द्र कुमार, ए.के. श्रीवास्तव, के.एस. रावत, रफीक अहमद, पी एस बाजपेई, जी.पी. सिंह, राम सहारे वर्मा, प्रेम नाथ राय एवं विशम्भर सिंह ने आज यहाँ बताया कि वर्ष 2000 में विद्युत परिषद का विघटन होने के समय तक अभियन्ता प्रबन्धन था और विद्युत परिषद बनने के बाद 1959 से 2000 तक 41 वर्षों में मात्र 77 करोड़ रुपए का घाटा था जो विद्युत परिषद का विघटन होने के बाद आई ए एस प्रबन्धन के रहते एक लाख दस हजार करोड़ रुपए केवल 24 वर्ष में पहुँच गया। मजेदार बात यह है कि घाटे के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदारी प्रबन्धन की होती है किन्तु प्रबन्धन कर्मचारियों पर घाटा थोप कर अरबों-खरबों रुपए की सार्वजनिक सम्पत्ति पहले से तय कुछ निजी घरों को सौंपने जा रहा है। पॉवर कारपोरेशन प्रबन्धन द्वारा जारी किये गये घाटे के आँकड़े भ्रामक हैं और पूरी तरह झूठ का पुलिन्दा हैं। पावर कारपोरेशन प्रबन्धन के पीपीटी प्रेजेंटेशन में बिजली राजस्व बकाये की धनराशि 115825 करोड़ रुपए बतायी गयी है जिसमें दक्षिणांचल का 24947 करोड़ रुपए और पूर्वांचल का 40962 करोड़ रुपए सम्मिलित है। सवाल यह है कि यदि यह राजस्व वसूल लिया जाये तो पॉवर कारपोरेशन 5825 करोड़ के मुनाफे में है फिर घाटे का झूठ फैलाकर निजीकरण करना किस साजिश का हिस्सा है। वर्ष 2010 में जब टोरेण्ट पॉवर को आगरा का फ्रेंचाईजी दिया गया था तब आगरा में राजस्व वसूली का 2200 करोड़ रुपए बकाया था। आज 14 साल गुजर जाने के बाद भी टोरेण्ट कम्पनी ने इस बकाये की धनराशि का एक रुपए भी पॉवर कारपोरेशन को नहीं दिया है। अब दक्षिणांचल और पूर्वांचल डिस्कॉम, जिन्हें बेच जा रहा है, उनका बकाया लगभग 66000 करोड़ रुपए है। निजीकरण के बाद यह 66000 करोड़ रुपए डूब जायेगा और निजी कम्पनियों की जेब में चला जायेगा। ऐसा लगता है कि पॉवर कारपोरेशन प्रबन्धन इस साँठ-गाँठ का हिस्सा है। निजीकरण के बाद शेष बचे पॉवर कारपोरेशन में नये पदों का सृजन किया जायेगा और न ही किसी की पदावनति होगी और न ही किसी की छंटनी होगी।यह कहकर पावर कारपोरेशन ने खुद स्वीकार कर लिया है कि निजीकरण के बाद पदावनति और छंटनी होने वाली है। कर्मचारी प्रबन्धन की बात पर कैसे भरोसा करें जब 03 दिसम्बर 2022 को मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी एवं ऊर्जा मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा की उपस्थिति में हुए।समझौते को प्रबन्धन ने मानने से इंकार कर दिया। यह समझौता आज दो वर्ष बीत जाने के बाद भी लागू नहीं किया गया है। 19 मार्च 2023 को मा0 ऊर्जा मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा हड़ताल के कारण की गयी समस्त उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियाँ वापस लेने के निर्देश का पावर कारपोरेशन प्रबन्धन ने आज तक पालन हीं किया है। बहुत कम वेतन पाने वाले हजारों संविदा-निविदा कर्मचारी निकाले जाने के कारण भुखमरी के कगार पद आ गये हैं और नियमित कर्मचारियों पर भी उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियाँ चल रही है। ऐसे में कर्मचारी पॉवर कारपोरेशन प्रबन्धन के झूठ से गुमराह होने वाले नहीं है। कर्मचारियों ने निजीकरण के विरूद्ध निर्णायक संघर्ष का संकल्प लिया।

महिलाओं ने निकाली शोभायात्रा और ओम नमः शिवाय का किया जाप

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। सेंटर फॉर सनातन रिसर्च एवं ट्राइडेंट सेवा समिति ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 'मां सती के 51 शक्ति पीठ एवं द्वादश ज्योतिलिंगों' का महासमागम कार्यक्रम के दो दिवसीय कार्यक्रम के अवसर पर शुक्रवार को दशाश्वमेध स्थित चितरंजन पार्क से एक विशाल कलश यात्रा निकाली गई जो गोदौलिया, बांस फाटक होते हुए श्री काशी विश्वनाथ धाम में पहुंची। कलश यात्रा में 150 से अधिक की संख्या में महिलाएं पीला वस्त्र धारण कर हाथ में कलश गंगाजल लेकर ओम नमः शिवाय, ओम नमः शिवाय, हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ रास्ते भर चल रही थी। विशाल कलश शोभा यात्रा श्री काशी विश्वनाथ के धाम में पहुंचने पर श्री विशालाक्षी मंदिर के महत पंडित राजनाथ तिवारी, अजय शर्मा, नितिन तिवारी आदि लोगों ने बाबा का जलाभिषेक कर 108 कमल के फूलों से बाबा को भेंट किया तथा प्रसाद चढ़ाया। मंदिर में संपूर्ण सुरक्षा की व्यवस्था श्री काशी विश्वनाथ के सीईओ विश्वभूषण मिश्र कर रहे थे। कलश शोभा यात्रा में श्रद्धालु हर हर महादेव जय श्री काशी विश्वनाथ आदि के उद्घोष कर रहे थे।

बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल द्वारा अवगत कराया गया कि समस्त जिला समन्वयक एवं खंड शिक्षा अधिकारी के सहयोग से वर्तमान लक्ष्य 1819 के सापेक्ष 1077 विद्यालयों का निरीक्षण शत प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।जिलाधिकारी द्वारा डायट एसेसमेंट, निपुण विद्यालय, मध्यान्ह भोजन, कायाकल्प, ब्लॉकवार डीबीटी पेंडेंसी आदि की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि मध्याह्न भोजन में बच्चों को आंवले का अचार भी दिया जाए। जनपद स्तरीय अधिकारी नियमित अंतराल पर कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में रविवार को स्वयं जाकर बच्चों के साथ भोजन करें तथा उन्हें प्रोत्साहित करें।जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि मध्याह्न भोजन के अंतर्गत निर्धारित मीनू के अनुसार बच्चों को पौष्टिक भोजन दिया जाए। इसके साथ ही बच्चों की उपस्थिति बढ़ाए जाने हेतु प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में शिक्षक समय से उपस्थित रहे। बच्चों को विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ संस्कारयुक्त शिक्षा दी जाए। कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, सम्बन्धित अधिकारीगण, कर्मचारीगण, खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

जूनियर बालिका हॉकी प्रतियोगिता हेतु जनपदीय चयन परीक्षण 4 दिसंबर को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ.प्र. एवं उ.प्र. हॉकी संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालिका हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 21 दिसम्बर, 2024 तक इटावां में किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के सब जूनियर बालिका हॉकी खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 04 दिसम्बर 2024 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित सब जूनियर हॉकी खिलाड़ी ही 06 दिसम्बर, 2024 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ0 भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल लालपुर, वाराणसी में प्रातः 9.30 बजे से प्रतिभाग करेंगी। मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा। मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता जो इटावां में प्रतिभाग करेंगी। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र फोटो सहित तथा आयु प्रमाण-पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर जनपदीय चयन/परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं।

पित्ताशय के कैंसर का सफलतापूर्वक ऑपरेशन पर लोगों दी बधाई

गोरखपुर। एम्स गोरखपुर के सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने पित्ताशय के कैंसर का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया। इस लेप्रोस्कोपिक रेडिकल कोलेसिस्टेक्टोमी सर्जरी कहा जाता है। रक्तचाप में उतार-चढ़ाव के बीच बुजुर्ग महिला का ऑपरेशन करने वाली टीम को कार्यकारी निदेशक का मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रो अजय सिंह ने बधाई दिया। सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डॉ गौरव गुप्ता के निर्देश में एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर हरिकेश यादव ने ऑपरेशन किया। कार्यवाहक विभाग अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर गणेश एनेस्थीसिया दी। डॉक्टर हरिकेश यादव ने बताया कि महिला आईसीयू में है। उनकी स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि रेडिकल कोलेसिस्टेक्टोमी पित्ताशय के कैंसर का उपचार करने के लिए की जाने वाली सर्जरी है। इसमें पित्ताशय की थैली के साथ-साथ उसके आस-पास के लिवर का हिस्सा लिंफ नोड्स और रक्त वाहिकाओं को भी हटाया जाता है। कैंसर की सीमा और उसकी स्थिति के आधार पर इस सर्जरी में हटाए जाने वाले हिस्से का आकार अलग-अलग हो सकता है। इस सफल ऑपरेशन पर डॉक्टर हरकेश यादव तथा उनकी टीम को राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरजीत श्रीनाथ यादव उत्तर यादव युवा संघ, राष्ट्रीय महासचिव विजय एल यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष आर डी यादव, राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र जगदेव यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश यादव, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य योगेश कुमार यादव, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार यादव, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इश्वर देव यादव, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष हरिराम यादव, महासचिव प्रदीप यादव, कोषाध्यक्ष अरुण यादव, वलसाड जिला कोषाध्यक्ष किशन यादव, उपाध्यक्ष पारस यादव, उपाध्यक्ष विजय यादव, सलाहकार शिवलाल यादव, आर एस यादव, नंदलाल यादव, आरपी यादव, लालजी यादव, रामसुख यादव, वलसाड जिला अध्यक्ष पुजारी यादव, महासचिव अजय यादव, उमरगांव विधान मंडल अध्यक्ष सुभाष यादव, दमन दीव संघ प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव, सहकार्यवाह अध्यक्ष मुन्ना यादव, महासचिव विनय लालजी यादव, और उत्तर यादव युवा संघ के सभी पदाधिकारी गण ने बधाई दी।

दिव्यांगजन योजना का लाभ शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त करने हेतु करें आवेदन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने अवगत कराया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत दम्पत्ति मे युवक के दिव्यांग होने की दशा में रू0 15000 व युवती के दिव्यांग होने की दशा में रू0 20000 तथा युवक-युवती दोनों के दिव्यांग होने की दशा में रू0 35000 धनराशि का प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाता है। उक्त हेतु पात्रता की शर्ते के बारें में बताया है कि शादी के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हों। युवती की उम्र 18 वर्ष से कम एवं 45 वर्ष से अधिक न हों। दम्पत्ति में कोई आयकरदाता न हों। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त दिव्यांग प्रमाण-पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए। ऐसे दिव्यांग दम्पत्ति पात्र होगें जिनका विवाह गत वित्तीय वर्ष एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में हुआ हों। अतः जो भी दिव्यांगजन योजना का लाभ प्राप्त करना चाह रहे हैं वे शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु ऑनलाईन http://divyang-jan.upsde.gov.in पर आवेदन कर सकते है। ऑनलाईन फार्म भरते समय आवेदक दम्पत्ति को दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला संयुक्त नवीनतम फोटो, आय प्रमाण-पत्र, युवक एवं युवती का आयु प्रमाण-पत्र (जिसमें जन्मतिथि का अंकन हों), सक्षम प्राधिकारी से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, रजिस्ट्रीकृत बैंक खाता में संचालित संयुक्त खाता, अधिवास का प्रमाण पत्र एवं युवक एवं युवती की आधारकार्ड की छायाप्रति पोर्टल पर अपलोड किये जायेंगे। ऑनलाईन सबमिट आवेदन पत्र की प्रिंट की प्रति एवं वांछित प्रपत्रों की हार्डकापी कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में विकास भवन स्थित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।

तेज रफ़्तार कार ने स्कूटी में मारी टक्कर

मेरठ (उत्तरशक्ति)। शादी समारोह के दौरान बैंकट हॉल के बाहर एक कार सवार ने शादी समारोह में पहुंचे स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मारने के बाद माहौल बिगड़ गया। इस दौरान स्कूटी सवार को टक्कर मारने वाले चालक की लोगों ने पकड़ कर धुनाई कर डाली। इसके बाद घायल युवक को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहां उसका उपचार चल रहा है। इसी दौरान स्कूटी सवार को टक्कर मारने वाले युवक ने लोगों पर पिस्टल तान दी जिसको लेकर एक बार फिर लोगों ने स्कूटी युवक की जमकर धुनाई कर डाली। ये सारी घटना पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई और अब इस घटना का सीसीटीवी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, मेरठ के थाना नौचंदी क्षेत्र के हापुड़ रोड क्षेत्र में स्थित एक बैंकट हॉल में देर रात शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे एक स्कूटी सवार को अनियंत्रित तेज रफ़्तार कार सवार व्यक्ति ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद लोगों ने कार चालक को पकड़ लिया और उसकी जमकर धुनाई कर डाली। इसके बाद घायल युवक को लोग इलाज के लिए अस्पताल ले गए। इसी दौरान स्कूटी सवार को टक्कर मारने वाले व्यक्ति ने लोगों के द्वारा पिटाई करने के दौरान उन पर पिस्टल तान दी जिसके बाद मौके पर मौजूद लोग भड़क गए और उन्होंने एक बार फिर कार चालक की जमकर धुनाई कर डाली। ये पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई जहां अब इस घटना का सीसीटीवी वीडियो वायरल हो रहा है। सीसीटीवी के वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंचा हुआ है और वो स्कूटी सवार युवक को टक्कर मारने वाले कार चालक पर टूट पड़े हैं और उसकी जमकर धुनाई कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि थाना नौचंदी क्षेत्र के हापुड़ रोड इलाके पर स्थित हमसफर पैलेस में कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के फाजलपुर के रहने वाले वसीम अहमद की बारात पहुंची थी। इस दौरान देर रात जुनैद नाम का युवक मंडप के बाहर अपनी स्कूटी पर सवार होकर पहुंचा था कि तभी तेज रफ्तार से आ रही एक स्विफ्ट कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी जिससे जुनैद गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद शादी मंडप में हड़कंप मच गया था और लोगों ने कार चालक को पकड़ते हुए उसकी जमकर धुनाई कर डाली थी।

म्युनिसिपल मजदूर यूनियन ने मेधावी बच्चों को किया पुरस्कृत

मुंबई(उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका कर्मचारियों की यूनियन म्युनिसिपल मजदूर यूनियन मुंबई ने गुरुवार दिनांक 28 नवंबर 2024 को दसवीं एवं बारहवीं उत्तीर्ण कर्मचारियों के बच्चों को नगद धनराशि एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। उक्त समारोह का शुभारंभ यूनियन के सभी पदाधिकारियों सहित सहायक आयुक्त मिलिन सावंत के हाथों प्रणेता जार्ज फर्नांडिस,पूर्व अध्यक्ष शरदराव, पूर्व अध्यक्ष सुखदेव काशिद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर-के किया गया। उक्त महानगरपालिका के पूर्व सहायक आयुक्त (सामान्य प्रशासन) मिलिन सावंत के हाथों लगभग 300 बच्चों को दिया गया। यूनियन के पदाधिकारियों ने सम्मानित अतिथि मिलिन सावंत का अंगवस्त्र,श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं श्रीगणेश जी की सुंदर कांस्य प्रतिमा देकर सम्मान किया। महानगर पालिका हास्पीटल की तरफ से सहायक सरचिटणीस प्रदीप नारकर ने मिलिन सावंत का सम्मान पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर किया। यूनियन के सक्रिय कार्यकर्ता विनय शर्मा दीप ने बताया कि सरचिटणीस वामनराव कविस्कर ने सहायक आयुक्त का परिचय देते हुए कहा कि सावंत साहेब प्रशासनिक अधिकारी रहते हुए महानगरपालिका कर्मचारियों की समस्याओं को यूनियन के माध्यम से सुलझाने का सराहनीय कार्य किया है बच्चों को शुभाशीष देते हुए सावंत साहेब ने यूनियन के सभी पदाधिकारियों के कार्यों की सराहना किया।उक्त कार्यक्रम में यूनियन के पदाधिकारियों में अध्यक्ष अशोक जाधव, सरचिटणीस वामनराव कविस्कर, कार्याध्यक्ष यशवंत राव देसाई, कोषाध्यक्ष शरद राघव, सम्माननीय मोहिते सर,सहायक सरचिटणीस प्रफुल्लता दलवी, जगन्नाथ लिंगम, शैलेंद्र खानविलकर, प्रदीप नारकर, योगेश नाईक, अब्दुल पटेल, सचिन कांबले, महेश दलवी, अशोक शिंदे, दिनकर कांबले, दीपक खामकर,अरुण नाईक सहित सहायक चिटणीस,संघटक एवं सहयोगी कर्मचारी उपस्थित थे।

105 वर्ष पूरा करने पर सोहन मौर्य का मनाया गया जन्मदिन

विधायक बदलापुर रमेश मिश्रा व क्षेत्र के तमाम गणमान्य व्यक्ति रहे उपस्थित

-धर्मेन्द्र कुमार शर्मा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर बता दें कि जहां एक तरफ आम व्यक्ति की, औसत उम्र दर घटती चली जा रही है गलत खानपान व अनियमित दिनचर्या के कारण, आए दिन लोग असमय ही काल कवलित होते रहते हैं। वहीं बदलापुर तहसील स्थित ग्राम खमपुर के सोहन मोर्य लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत है। सोहन मौर्या अपनी 105 साल की अवस्था, पूरी कर चुके हैं। अभी तक पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं। अपनी नियमित दिनचर्या बगैर किसी का सहारा लिए, व अन्य आवश्यक कृषि कार्य, आज भी संपन्न करते हैं। आश्चर्य की बात है कि 105 साल पूरा होने के बाद भी, जीवन उपयोगी उपकरण, जैसे चश्मा, कान की मशीन, सहारे के लिए छड़ी, इत्यादि का उपयोग नहीं करते हैं। और संपूर्ण स्वस्थ जीवन बिता रहे हैं। आज इनका जन्मदिन बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विधायक बदलापुर रमेश मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि गंगा सिंह, राजा साहब सिंगरामऊ मृगेंद्र सिंह, विवेक सिंह राजा, ग्राम प्रधान धनंजय सिंह रानू, शारदा प्रसाद मौर्य, भाजपा मंडल अध्यक्ष(सिंगरामऊ सिकंदर मौर्य, राजेश मौर्या, रमेश मौर्य, वह क्षेत्र के तमाम सम्मानित नागरिक मौजूद रह। विधायक बदलापुर रमेश मिश्रा ने उनसे आशीर्वाद लेते हुए। अपने उद्बोधन में कहा की सोहन मौर्य समाज के व नव युवकों के लिए एक प्रेरणा स्रोत थे। उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के संवाददाताओं से बात करते हुए,सोहन मौर्य ने अपने लंबी उम्र का राज नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, व तनाव रहित जीवन को बताया।

बिहार में एमएसएमई रक्षा उत्पादन में सर्वोत्तम अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार है : आईएएस शेखर आनंद

पटना (उत्तरशक्ति)। भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स, कोलकाता ने पटना के स्थानीय ताज होटल में रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ साझेदारी में ' एमएसएमई द्वारा रक्षा क्षमता प्रदान करना - एक रोडमैप ' विषय पर एक दिवसीय जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस जागरूकता सत्र का उद्देश्य नवीनतम नीतिगत पहलों पर ध्यान केंद्रित करना और एमएसएमई के लिए उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों की रूपरेखा तैयार करना और उन्हें रक्षा विनिर्माण और निर्यात में अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में सक्षम बनाना था। इस अधिवेशन को बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन का समर्थन मिला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शेखर आनंद, आईएएस, निदेशक, एमएसएमई, बिहार एवं आर. पी. सिंह, आईओएफएस, उप महानिदेशक (एनडीसीडी-क्ष), रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित हुए। जागरूकता सत्र में अनिल कुमार गुप्ता, आईओएफएस, मुख्य महाप्रबंधक, सुधांशु प्रसाद, आईओएफएस, संयुक्त महाप्रबंधक, आयुध निमार्णी, नालंदा, म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) ने एमआईएल के तहत रक्षा उत्पादन में एमएसएमई के लिए उपलब्ध अवसरों पर चर्चा की। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के वरिष्ठ प्रबंधक अविक गुप्ता ने अपनी प्रस्तुति में एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म के तहत रक्षा उत्पादन में अवसरों पर प्रकाश डाला। बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सुभाष कुमार पटवारी ने ' उद्योग परिप्रेक्ष्य ' पर एक विशेष भाषण दिया। साथ ही इस मौके पर बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री के.पी.एस.केशरी, भारत चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रधान सचिव केका शर्मा व सचिव अविक रॉय भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर शेखर आनंद, आईएएस, निदेशक, एमएसएमई, बिहार ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य सरकार की सक्रिय नीतियों और वित्तीय सहायता योजनाओं के कारण बिहार में एमएसएमई विकास में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। बिहार सरकार ने एमएसएमई के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए बिहार स्टार्ट-अप नीति 2016 और बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति 2016 सहित कई पहल शुरू की है। ये नीतियां निवेशक-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने, निवेश को सुविधाजनक बनाने और एमएसएमई उद्यमियों की भलाई को बढ़ावा देने में सहायक रही हैं। उन्होंने कहा, परिणामस्वरूप, बिहार में अब एमएसएमई गतिविधि में वृद्धि देखी जा रही है, यह क्षेत्र राज्य की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि रक्षा विनिर्माण क्लस्टर बनाने के अवसर तलाशे जाएं, क्लस्टर विकास कार्यक्रम जैसी बिहार सरकार की योजनाओं के तहत समर्थन दिया जाए, राज्य में एमएसएमई को सहयोग करने और रक्षा से संबंधित उत्पादन के लिए संसाधनों को एकत्रित करने में मदद की जाए। सत्र की थीम का परिचय देते हुए बलप्रीत सिंह, प्रबंधक, एयरोस्पेस और रक्षा, अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी ने विदेशी आयात से घरेलू उत्पादन में परिवर्तन का वर्णन करते हुए, भारत की रक्षा खरीद रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि रक्षा बजट का 75 प्रतिशत अब एमएसएमई को आवंटित किया गया है, जिसमें 25 प्रतिशत स्टार्टअप और निजी क्षेत्र के लिए रखा गया है, जो स्थानीय नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

महाकुंभ संगम स्नान के लिए बना त्रिस्तरीय सुरक्षा चक्र

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ 2025 में 45 करोड़ लोगों के संगम स्नान का पूरा प्लान तैयार कर लिया है। इसके लिए जल पुलिस के लिहाज से त्रिस्तरीय सुरक्षा चक्र बनाया गया है जिसमें बाकायदा एक-एक श्रद्धालु पर फोकस किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, वीआईपी मूवमेंट वाले किला घाट पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। यहां पर स्पेशल फोर्स की तैनाती की जा रही है, जिससे देश-विदेश से आने वाले एक भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की दिक्कत न होने पाए। यही नहीं, सरस्वती घाट से लेकर संगम घाट तक कड़ी सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जा रहे है। यहां डीप बैरिकेडिंग की जा रही है। इसके अलावा घाट पर चौतरफा जाल लगाने का काम अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। किला थाना की जल पुलिस के प्रभारी जनार्दन प्रसाद साहनी ने बताया कि महाकुम्भ से पहले ही एक-एक बोट की जांच की जा रही है। इसके लिए टेस्टर बोट की व्यवस्था की गई है। सबसे पहले टेस्टर बोट किसी भी बोट की जांच करेगी। पूरी तरह से संतुष्टि मिलने के बाद ही पानी में कोई बोट उतारी जाएगी। संगम नोज से किलाघाट तक सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया जा रहा है। इसके लिए पीएसी, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के जवान मिलकर श्रद्धालुओं की हिफाजत में तैनात रहेंगे। महाकुंभ के दौरान स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं के बाहर निकलने में किसी भी प्रकार की दिक्कत ना आने पाए, इसके लिए भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। नाव पर एक विशेष प्रकार की लाल पट्टी लगाई जाएगी, जो पर्यटकों को सतर्क करेगी। महाकुंभ के दौरान देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा में कोई भी परेशानी न होने पाए, इसके विशेष इंतजाम किए गए हैं। संगम में स्नान करने वाले लोगों की निगहबानी के लिए पुलिस का झंडा लगी नाव 24 घंटे तैनात रहेगी। किसी भी खतरे का अंदाजा होते ही पलक झपकते सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अफसरों को स्पष्ट निर्देश है कि महाकुंभ में आने वाले एक भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। इस लिहाज से एक-एक घाट को बाकायदा जांचने के बाद ही उसे श्रद्धालुओं के लिए खोला जाएगा। अरैल, झूसी, फाफामऊ व सोमेश्वर घाट पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। रसूलाबाद से किला घाट और ककहरा घाट तक स्नानार्थियों के लिए हर तरह के वाजिब इंतजाम किए जा रहे हैं। जल पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किया है। इसके तहत त्रिस्तरीय सुरक्षा चक्र बनाया गया है। पहली टीम क्राउड मैनेजमेंट के लिए घाट के बाहर तैनात रहेगी। वहां अत्यधिक भीड़ होने पर श्रद्धालुओं को अलग-अलग रास्ते से डायवर्ट किया जाएगा। दूसरा सुरक्षा चक्र स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नाव पर तैनात रहेगा। इसके साथ ही कोई भी सुविधा होने पर तत्काल जरूरतमंद लोगों तक आसानी से फोर्स पहुंच जाएगी।

रेलवे ट्रैक पार करते समय व्यक्ति जख़्मी

-प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइन बाजार क्षेत्र के मुरादाबाद निवासी किशन प्रजापति 52 वर्ष पुत्र सुधीराम प्रजापति अपने किसी काम से नईगंज गए हुए थे। देर शाम लगभग 8 बजे जब घर के लिए वापसी आ रहे थे। तभी अचानक नईगंज रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय किशन का पैर अचानक माल गाड़ी के पहिए के नीचे आ गया। जिसकी वजह से पैर कट कर झूलने लगा। सर में भी काफी चोटें आई हुई है, हालत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने डायल 108 कों सूचित किया मौके पर एम्बुलेंस पहुंच गई और उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्रथम उपचार करने के बाद ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर हालत नाजुक बनी हुई है।

बावनकुले ने भाजपा वसई-विरार जिला अध्यक्ष कोदी बधाई

वसई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने प्रदेश भाजपा प्रदेशकार्यालय में भाजपा के वसई-विरार शहर भाजपाजिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल को बधाई दी और जीत के प्रतीक के रूप में उन को मुह मिठा करा कर बधाई महेंद्र पाटिल को दिया। वसई और नालासोपारा दोनो निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा विधायकों को निर्वाचित कराने में मौलिक योगदान पर भी बहुत शुभ कामना दिया। इस अवसर पर महेंद्र पाटिल ने कहा कि पालघर जिले के संरक्षक मंत्री और भाजपा नेता रवींद्र चव्हाण के समर्थन, पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष और नालासोपारा विधायक राजन नाइक के मार्गदर्शन और कार्यकर्ताओं की दृढ़ता से, वे वसई की दोनों विधानसभाओं पर कब्जा करने में सफल रहे हैं। भाजपा के जिला अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, उन्होंने पार्टी संगठन का विस्तार करने के लिए लगातार वरिष्ठ कार्यकर्ताओ से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक यात्रा की और शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कई कार्यकर्ताओं को जोड़ा। महेंद्र पाटिल ने कहा है कि प्रदेश भाजपा की ओर से आए विभिन्न आंदोलन के कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक चलाने के लगातार प्रयासों से पार्टी को यह बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को सभी जिलों में क्रियान्वित करने के उद्देश्य से लगातार शिविरों का आयोजन किया गया है. पार्टी ने हमेशा वसई विरार में युवाओं, महिलाओं और विभिन्न सामाजिक समूहों को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने में ताकत दी है। कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव, पालघर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र चुनाव में सफलता हासिल करने के लिए जिले भर में जबरदस्त संचार और समन्वय हुआ। पाटिल का कहना है कि यह जमा पूंजी विधानसभा चुनाव में बहुत काम आई है. विधानसभा चुनाव में सफलता के बाद बीजेपी जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से लेकर आम कार्यकताओं तक सभी को बधाई देते नजर आ रहे हैं.

दिलीप लांडे को दूसरी बार आमदार बनने पर दी बधाई

मुंबई। विधानसभा के चुनाव के परिणाम में उम्मीदवार महायुती शिवसेना (शिंदे) गुट चांदिवली विधानसभा से दूसरी बार आमदार बने दिलीप (मामा)लांडे को शॉल देकर सत्कार किया गया तथा विजेता प्राप्ति की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई ।लोगों ने अपने चांदिवली विधानसभा के विकास के लिए अपील किया। इस मौके पर उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार के संवाददाता सुखबिंदर सिंह,देवदास मुरांजन आदि लोग मौजूद रहे।

हर्षोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे भाजपा विधायक अमित सातम व अनूप जलोटा

मुंबई। प्रसिद्ध कथक नृत्यक पद्मविभूषण सम्मानित स्वर्गीय पंडित शंभू महाराज एवं पंडित बिरजू महाराज के श्रद्धा, सुमन समर्पण पर्व पर 2024 महोत्सव पर्व के रूप में मनाया जायेगा। पंडित राम मोहन महाराज और पारुल मिश्रा के सुपुत्र हर्ष मिश्रा एवं उत्सव मिश्रा अपने दादा पद्मविभूषण से सम्मानित स्वर्गीय पंडित शंभू महाराज और अपने ताऊजी पद्मविभूषण पंडित बिरजू महाराज जी को हर्षोत्सव 2024 कार्यक्रम द्वारा श्रद्धांजली देने जा रहे है। यह कार्यक्रम 30 नवम्बर 2024 को भवन कल्चरल सेंटर मुंबई अंधेरी पश्चिम में आयोजित होगा। समय शाम के 6.30 बजे से। पहली बार मुंबई में पंडित शम्भू महाराज के नाम से कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है. इस कार्यक्रम मे पंडित राम मोहन महाराज लखनऊ घराने के प्रसिद्ध कथक नर्तक और पंडित शम्भू महाराज जी के पुत्र नृत्य प्रस्तुत करेंगे और उनकी पत्नी पारूल मिश्रा जयपुर घराने का कथक नृत्य प्रस्तुत करेंगी। कथक क्वीन से सम्मानित जयंतिमाला मिश्रा बनारस घराने का कथक नृत्य प्रस्तुत करेंगी। पद्म श्री अनूप जलोटा की भजन प्रस्तुति, देबि बासु ओडीसी नृत्य की प्रस्तुति देंगी। तबले पर पंडित कालीनाथ मिश्रा, गायन पर वैभव, सोमनाथ सितार पर अल्का गुजर जी और उस्ताद जाकिर हुसैन के भाई उस्ताद फजल कुरेशी तबला पर संगत करेंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से हर्ष और उत्सव हमारी कथक की संस्कृति को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं जिसकी पहल मुंबई से शुरू की जा रही है. हर्षोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा विधायक अमित सातम एवं अनूप जलोटा के हाथों से किया जायेगा।